

ॐ

सैवा संवर्धन Sewa Samvardhan

युगाब्द 5127

2025

विक्रम संवत् 2082



सेवा परमो धर्मः



सेवा से सुपरिवर्तन

ॐ

सेवा संवर्धन

SEWA SAMVARDHAN

2025



विश्व हिन्दू परिषद् प्रेरित
राष्ट्रीय सेवा संवर्धन समिति



प्रमुख पदाधिकारी



श्री बजरंग लाल बागड़ा
पालक अधिकारी
केन्द्रीय महामन्त्री



श्री मधुकर राव दीक्षित
मार्गदर्शक
सदस्य, केन्द्रीय प्रबन्ध समिति



श्री नन्द लाल लोहिया
मार्गदर्शक
सदस्य, केन्द्रीय प्रबन्ध समिति



श्री अजेय कुमार पारीक
अ. भा. सेवा प्रमुख
केन्द्रीय मन्त्री



श्री आनन्द प्रकाश हरबोला
अ. भा. सहसेवा प्रमुख
केन्द्रीय सहमन्त्री



श्री सपन मुखर्जी
अ. भा. सहसेवा प्रमुख
केन्द्रीय सहमन्त्री

RASHTRIYA SEWA SAMVARDHAN SAMITI

Saving A/c No. : 04072011002164
Bank Name : Punjab National Bank, Basant Lok,
Vasant Vihar New Delhi-110057 (Bharat)
Bank Swift Code : ORBCNBBACHN
Bank IFSC Code : PUNB0040710
PAN No. : AABTR0412N

Exemption available under Section 80G of Income Tax Act

संकटमोचन आश्रम, सेक्टर-6, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022



sewa76@gmail.com



vhp.org



8882426197



हमारा उद्देश्य Our Motive

सामाजिक समरसता
Social Harmony

धर्म प्रसार
Dharm Prasara

कार्यकर्ता निर्मिति
Karyakarta Nirmiti

जागरण एवं संगठन
Awareness & Organisation

राष्ट्रीय सेवा संवर्धन समिति Rashtriya Sewa Samvardhan Samiti

परामर्शदाता Advisors

श्री मधुकर दीक्षित, गोवा
श्री जीतेन्द्र भंसाली, मुम्बई
श्री प्रवीण शंकर पण्ड्या, मुम्बई

प्रन्यासी मण्डल Board of Directors

अध्यक्ष – श्री गंगराजू, विजयवाड़ा
उपाध्यक्ष – श्री अशोक अग्रवाल, आगरा
सचिव – श्री अजेय कुमार पारीक, दिल्ली
कोषाध्यक्ष – श्री गिरीश पै, बेलगावी
सदस्य – श्री मिलिन्द पराण्डे, दिल्ली
सदस्य – श्रीमती छाया नंजप्पा, मैसूर
सदस्य – श्री योगेन्द्र वेकरिया, जाम नगर

अनुक्रम Index

विषय	पृष्ठ संख्या
प्रमुख पदाधिकारी	5
अनुक्रम	6
मनोगत	7
शुभाशीष	8-10
सेवा उपक्रम वृत्त	11
सेवा कार्य वृत्त	12-15
यशगाथाएँ	16-52
प्रशिक्षण वर्ग-विवरण	53
सेवा उपक्रम	54-60





टेलीफैक्स : 91-11 26178992, 26103495
तार : हिन्दू धर्म Gram : "HINDUDHARMA"
Telefax : 91-11-26178992, 26103495

विश्व हिन्दू परिषद् ॐ VISHVA HINDU PARISHAD

Registered Under Societies Registration Act 1860 No. S 3106 of 1966-67 with Registrar of Societies, Delhi
संकट मोचन आश्रम, (हनुमान मंदिर) सेक्टर-६, रामकृष्ण पुरम्, नई दिल्ली-११००२२ (भारत)
SANKAT MOCHAN ASHRAM (HANUMAN MADIR), SECTOR-VI, RAMAKRISHNA PURAM, NEW DELHI-110 022 (BHARAT)

विहिप/62/2025

युगाब्द 5127 विक्रम संवत् 2082

वैशाख शुक्ल पूर्णिमा, सोमवार

12 मई, 2025

मनोगत

जय श्रीराम

सेवा संवर्धन-2025 आपके हाथों में है।

इस अंक में नियमित रूप से संचालित सेवा कार्यों एवं प्रासंगिक रूप से किए जाने वाले विविध सेवा उपक्रमों का ब्यौरा परम्परानुसार आँकड़ों के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

इसके अतिरिक्त यह अंक विविध सेवा प्रकल्पों एवं सेवा कार्यों की उपलब्धियों पर केन्द्रित है। यद्यपि धरातल पर प्रत्यक्ष कार्य करने वाले कार्यकर्तागण में सामान्यतः उपलब्धियों को सहेजना, लिपिबद्ध करना तथा यथासमय उन्हें प्रस्तुत करने के अभ्यास का किंचित अभाव रहता है, तथापि जब इनके संकलन का प्रयास किया गया तो सम्पूर्ण देश से अच्छा प्रतिसाद मिला है। परिणामतः उपलब्धियों के विविध आयाम होने के उपरान्त भी व्यक्ति, परिवार तथा बस्ती/मौहल्ले में सेवा के माध्यम से हुए सुपरिवर्तन को रेखांकित करने वाली कुछ चयनित 'यश गाथाएं' इस अंक में दी जा रही हैं।

सेवित 'सेवक' बनकर समाज में अपनी भूमिका का निर्वाह करे, यह सेवा कार्यों की स्वाभाविक एवं अन्तिम परिणिति है। इन कार्यों के द्वारा देशभर में इस दृष्टि से अनेक उदाहरण उपस्थित हुए हैं, जिनका उल्लेख इन यश गाथाओं में आप पाएंगे।

नियमित सेवाकार्यों के अतिरिक्त वर्षभर में अनेक सेवा उपक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, उनमें से कुछ उपक्रमों का वर्णन भी प्रस्तुत अंक में किया गया है।

जिनसे मार्गदर्शन पाकर इस सेवा पथ पर हम सुगमता से आगे बढ़ते जाते हैं, ऐसे वरिष्ठजन का शुभाशीष भी हमें सदैव के समान प्राप्त हुआ है।

सेवा कार्यों के माध्यम से सामाजिक सुपरिवर्तन के इस पुनीत कार्य में प्रभुकृपा तथा आपके सहयोग का विश्वास है।

शुभम् ।

(अजेय कुमार पारीक)

केन्द्रीय मन्त्री

अखिल भारतीय सेवा प्रमुख

Website : www.vhp.org | E-mail : hinduvishwa@gmail.com, vhpintlhq@gmail.com



टेलीफैक्स : 91-11 26178992, 26103495
तार : हिन्दू धर्म Gram : "HINDUDHARMA"
Telefax : 91-11-26178992, 26103495

विश्व हिन्दू परिषद् ॐ VISHVA HINDU PARISHAD

Registered Under Societies Registration Act 1860 No. S 3106 of 1966-67 with Registrar of Societies, Delhi
संकट मोचन आश्रम, (हनुमान मंदिर) सेक्टर-६, रामकृष्ण पुरम्, नई दिल्ली-११००२२ (भारत)
SANKAT MOCHAN ASHRAM (HANUMAN MADIR), SECTOR-VI, RAMAKRISHNA PURAM, NEW DELHI-110 022 (BHARAT)

विहिप/62/2025

युगाब्द 5127 विक्रम संवत् 2082

ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा, मंगलवार

13 मई, 2025

शुभकामना

आदरणीय अजेय जी पारीक

नमस्कार!



विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा संचालित सेवा कार्यों के वार्षिक वृत्त का प्रकाशन राष्ट्रीय सेवा संवर्धन समिति द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है। पूर्व प्रकाशित पत्रिकाएँ भी मैंने देखी हैं। जिस प्रकार विश्व हिन्दू परिषद् के सेवा कार्य निरन्तर बढ़ रहे हैं और उसके प्रति समर्पण का भाव जाग्रत हुआ है, यह प्रशंसनीय एवं अवलोकनीय है।

सेवा में समर्पण का भाव और अधिक जाग्रत हो, तथा 'विश्व स्वधर्म सूर्य पाहो' की संकल्पना पूर्ण हो - इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

पुनः एक बार हार्दिक शुभेच्छाएँ।

शुभेच्छाकांक्षी,

मीनाक्षी पिशवे

(मीनाक्षी पिशवे)

केन्द्रीय मन्त्री

अखिल भारतीय मातृशक्ति प्रमुख

Website : www.vhp.org | E-mail : hinduvishwa@gmail.com, vhpintlhq@gmail.com

ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी, वि.सं. 2082

16 मई, 2025

शुभाशीष

बन्धुवर अजेय जी,

राष्ट्रीय सेवा संवर्धन समिति द्वारा वार्षिक कार्यवृत्त 'सेवा संवर्धन' का प्रकाशन किया जा रहा है, इस अवसर पर मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।



समिति के माध्यम से समाज परिवर्तन का कार्य करते हुए, न्यूनतम आवश्यकताओं से वंचित समाज के वर्गों की सेवा का जो प्रयास आप कर रहे हैं, वह अत्यन्त सराहनीय है। आपका उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार प्राप्त हों, वह स्वावलम्बी बने, सम्मान से जिये, यही हमारा लक्ष्य है।

'सेवा संवर्धन' वृत्त से केवल जानकारी नहीं, कार्य की प्रेरणा भी मिले, यह भाव है। समिति सक्षम वर्ग और दुर्बल वर्ग के मध्य सेतु का कार्य करती है। इस पावन कार्य में समाज का योगदान काया, वाचा, मनसा, प्राप्त होता रहे और स्वीकृत कार्य अपेक्षानुसार निरन्तर चलता रहे, यही ईश्वर चरणों में प्रार्थना है।

सभी सहकारी बन्धुओं को अभिनन्दन एवं नमस्कार।

सादर,

सुरेश (भैयाजी) जोशी

सदस्य, अखिल भारतीय कार्यकारिणी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सदस्य, सलाहकार मण्डल एवं प्रन्यासी

विश्व हिन्दू परिषद



श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

SHRI RAM JANMBHOOMI TEERTH KSHETRA

कार्यालय :- श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्यशाला, रामघाट चौराहा, अयोध्या-224123

महंत नृत्यगोपाल दास
अध्यक्ष

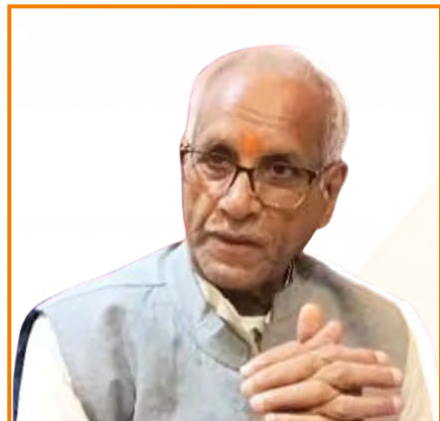
स्वामी गोविंददेव गिरी
कोषाध्यक्ष

चम्पत राय
महासचिव

अयोध्या
ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी वि.सं. 2082
25 मई, 2025

शुभाशीष

सेवा में,
श्रीमान सम्पादक महोदय,



विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारीगण संस्था के जन्मकाल से ही कार्यकर्ताओं को सेवा कार्यों के लिए प्रेरणा देते आये हैं।

इसी आधार पर अत्यन्त प्रारम्भ काल में मुम्बई के पास तलासरी, गोवा, उत्तर पूर्वांचल में हाफलांग और पूर्वी उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के घोरावल वनवासी क्षेत्र सहित देश के अनेक स्थानों पर स्थानीय कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य प्रारम्भ किये।

आज सम्पूर्ण भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन एवं सामाजिक क्षेत्र अर्थात् निराश्रित बालक-बालिकाओं का लालन-पालन, उन्हें शिक्षित, निरोगी, स्वावलम्बी बनाकर समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त कराने का प्रयास चल रहा है। सभी कार्य स्थानीय समाज के सहयोग से ही चलते हैं। इन सब कार्यों का लाभ लेकर निकले युवक-युवतियाँ आज समाज में स्थापित हैं। यह इन कार्यों की उपलब्धि भी है।

इन सब कार्यों का संक्षिप्त विवरण राष्ट्रीय सेवा संवर्धन समिति की ओर से वार्षिक रिपोर्ट में वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को प्रेरणा देने के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। यह प्रकाशन आत्म प्रशंसा के लिए नहीं है।

आपका यह प्रयास यश प्राप्त करे, यही मंगलकामना है।

भवदीय

(चम्पत राय)

उपाध्यक्ष - विश्व हिन्दू परिषद
महामन्त्री-श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र



सेवा उपक्रम वृत्त
(जनवरी 2025 से जून 2025 तक)
(सप्ताहिक से अधिक अन्तराल पर की जाने वाली सेवा गतिविधियां)

आयाम	प्रकार	उपक्रम संख्या	सेवित जन
शिक्षा	शिक्षा सामग्री वितरण	220	11315
	शुल्क सहायता	26	210
	व्यक्तित्व विकास शिविर	5	450
	योग	251	11975
स्वास्थ्य	रक्त दान शिविर	22	1335
	स्वास्थ्य शिविर	664	66014
	नेत्रजाँच शिविर	10	1183
	योग शिविर	74	1127
	दिव्यांग शिविर/उपकरण वितरण	8	194
	रक्तदाता गट सूची	10	1035
	प्रथमोपचार प्रशिक्षण	1	35
	समुपदेशन (काउंसलिंग)	75	4250
	योग	864	75173
सामाजिक	कन्या पूजन (विवाह में सहायता)	43	756
	सामूहिक विवाह	5	611
	मन्दिर स्वच्छता	96	4725
	सार्वजनिक स्वच्छता	18	1423
	सामूहिक उत्सव	110	5281
	खेलकूद प्रतियोगिता	9	1519
	कम्बल स्वेटर आदि वितरण	68	12173
	अन्नदान/जलपान आदि वितरण	382	102849
	गंगासागर तीर्थ : निवास	2	2500
	भोजन	2	12000
	प्रयागराज कुम्भ : दन्त उपचार	1	2250
	योग	736	146087
स्वावलम्बन	पंचगव्य उत्पादन शिविर	4	188
	व्यवसाय प्रशिक्षण शिविर	11	194
	राखी निर्माण	6	215
	विद्युतमाला/सज्जा सामग्री निर्माण	4	105
	दीपावली दीप निर्माण	7	663
	नमकीन निर्माण	3	150
	जैविक खाद निर्माण प्रशिक्षण	8	515
	योग	43	2030
महायोग		1894	235265

आयामों द्वारा उपक्रम

बजरंग दल	स्वास्थ्य शिविर	2195	189088
	रक्तदान शिविर	661	23429
मातृशक्ति	स्वास्थ्य शिविर	20	3000
	रक्तदान शिविर	35	600
दुर्गा वाहिनी	स्वास्थ्य शिविर	11	1500
	रक्तदान शिविर	15	245
योग		2937	217862
जनवरी 2025 से जून 2025 तक – कुल योग		4831	453127





ॐ
Vishwa Hindu Parishad-Sewa Vibhag : Karyavrat -June 2025

S.No.	Kshetra	S.No.	Prants	No. of Total Sewa Prakalpa	No. of Total Sewa Karya	Total (Prakalpa & Sewa Karya) (Sum of Both)	EDUCATION			Health			Social			Self-Reliance			Increase from August till now	Distt. With Sewa Karya	Sanskarshalas
							Status up to July 2024	Increase from August till now	Total	Status up to July 2024	Increase from August till now	Total	Status up to July 2024	Increase from August till now	Total	Status up to July 2024	Increase from August till now	Total			
1	Chennai	1	Kerala	10	268	278	76		76	6		6	28		28	168		168	0	29	23
		2	South Tamilnadu	0	70	70	56		56	7		7	7		7	0		0	0	9	48
		3	North Tamilnadu	3	235	238	226		226	1		1	1		1	10		10	0	8	84
2	Bengaluru		Kshetra TOTAL	13	573	586	358	0	358	14	0	14	36	0	36	178	0	178	0	46	155
		4	South Karnataka	28	42	70	61		61	2		2	3		3	4		4	0	24	
		5	North Karnataka	7	11	18	10		10	1		1	7		7	0		0	0	5	
3	Bhagyanagar		Kshetra TOTAL	35	53	88	71	0	71	3	0	3	10	0	10	4	0	4	0	29	0
		6	South Andhra	3	46	49	14	4	18	10	3	13	8	1	9	7	2	9	10	9	
		7	North Andhra	5	34	39	18	6	24	6	3	9	3		3	3		3	9	9	8
4	Mumbai	8	Telangana	5	25	30	5		5			0			0	19	6	25	6	13	
			Kshetra TOTAL	13	105	118	37	10	47	16	6	22	11	1	12	29	8	37	25	31	8
		9	Vidarbha	27	73	100	79	0	79	5	0	5	10		10	6	0	6	0	15	39
5	Karnavati	10	Paschim Maharashtra	12	41	53	30	0	30	15	1	16	2	0	2	5	0	5	1	9	
		11	Konkan	19	161	180	128	1	129	30	2	32	7		7	11	1	12	4	17	55
		12	Devagiri	3	23	26	15	4	19	3	2	5			0	1	1	2	7	8	13
6	Bhopal		Kshetra TOTAL	61	298	359	252	5	257	53	5	58	19	0	19	23	2	25	12	49	107
		13	South Gujarat	20	54	74	44	10	54	3	2	5	1		1	8	6	14	18	10	20
		14	Sourashtra	1	21	22	2		2	2		2	1		1	17		17	0	7	
7	Jaipur	15	North Gujarat	4	59	63	52	2	54	3	1	4		1	1	3	1	4	5	14	46
			Kshetra TOTAL	25	134	159	98	12	110	8	3	11	2	1	3	28	7	35	23	31	66
		16	Malwa		90	90	45	14	59	3	3	6	2		2	13	10	23	27	15	54
8	Chattisgarh	17	Madhya Bharat		157	157	97		97	11	1	12	14	3	17	29	2	31	6	32	85
		18	Mahakaushal	1	26	27	15		15	4	2	6	3	2	5	1		1	4	9	11
		19	Chattisgarh	5	11	16		1	1	2	1	3	3	5	8	4		4	7	4	
9	Jaipur		Kshetra TOTAL	6	284	290	157	15	172	20	7	27	22	10	32	47	12	59	44	60	150
		20	Jodhpur	1	49	50	31		31	12		12	1		1	6		6	0	15	29
		21	Chittthor	2	35	37	31		31	1		1			0	5		5	0	3	29
10	Jaipur	22	Jaipur		31	31	25		25	2		2			0	3	1	4	1	3	25
			Kshetra TOTAL	3	115	118	87	0	87	15	0	15	1	0	1	14	1	15	1	21	83





8	Indraprastha	23	Haryana		96	96	21		21	14		14	4		4		57		57	0	19																		
		24	Punjab	1	3	4	0		0	2		2	1		1	1		1		0	1																		
		25	Jammu - Kashmir	0	114	114	2		2	5		5			0	107		107		0	1																		
		26	Himachal Pradesh		55	55	50	2	52			0			0	3		3		2	6	52																	
		27	Indraprastha	2	67	69	46		46	3		3	5		5	14	1	15		1	11	16																	
			Kshetra TOTAL	3	335	338	119	2	121	24	0	24	10	0	10	182	1	183	3	38	68																		
		28	Meerut		56	56	28		28	3		3	1		1	24		24	0	10	18																		
9	Meerut	29	Uttarakhand	4	67	71	34	21	55	5		7		7	4		4		21	9	48																		
		30	Brij	1	25	26	8	3	11	3	2	5	1		1	5	4	9		9	4	4																	
			Kshetra TOTAL	5	148	153	70	24	94	11	2	13	9	0	9	33	4	37	30	23	70																		
10	Lucknow	31	Kanpur		56	56	43		43	4		4	1		1	8		8	0	7	37																		
		32	Avadh	1	37	38	26	4	30	1	1	2	3		3	3		3	5	12	25																		
		33	Kashi	3	114	117	93		93	4	1	5	2		2	15	2	17	3	15	79																		
		34	Goraksh		14	14	10	2	12			0			0	2		2	2	2	12																		
			Kshetra TOTAL	4	221	225	172	6	178	9	2	11	6	0	6	28	2	30	10	36	153																		
11	Patna	35	North Bihar	0	22	22	11		11	2		2	3		3	6		6	0	6	5																		
		36	South Bihar		72	72	43		43	1	8	9	1		1	14	5	19	13	10	43																		
		37	Jharkhand	0	28	28	19		19	5		5			0	4		4	0	0																			
			Kshetra TOTAL	0	122	122	73	0	73	8	8	16	4	0	4	24	5	29	13	16	48																		
12	Kolkata	38	Paschim Odisha	6	54	60	16	2	18	1	5	6	15	10	25	11		11	17	6	10																		
		39	Poorva Odisha	24	1285	1309	93		93	837		837	215		215	164		164	0	22	4																		
		40	South Banga	10	90	100	36		36	19		19	40		40	5		5	0	17	11																		
		41	North Banga	3	8	11	7		7	1		1			0	3		3	0	3	4																		
		42	Madhya Banga	2	34	36	8	2	10	2		2	19	4	23	1		1	6	6																			
			Kshetra TOTAL	45	1471	1516	160	4	164	860	5	865	289	14	303	184	0	184	23	54	29																		
13	Guwahati	43	Uttar Purva Prant	5	13	18	12	2	14	3				0	1		1	2	9	2																			
		44-46	S. Assam, Tripura, Manipur	12	32	44	28		28	4		4	1		1	11		11	0	8	4																		
			Kshetra TOTAL	17	45	62	40	2	42	7	0	7	1	0	1	12	0	12	2	17	6																		
Sewa Vibhag Total																						230	3904	4134	1694	80	1774	1048	38	1086	420	26	446	786	42	828	186	451	943

Sewa Karya by VHP

Sewa Vibhag	230	3904	4134	1694	80	1774	1048	38	1086	420	26	446	786	42	828		
				995	592	1587	6		6			0	34		34		
				24		24			0			0	169		169		
				94		94			0			0	235		235		
Satsang				47		47	45		45			0	24		24		
Grand Total	230	3904	4134	2854	672	3526	1099	38	1137	420	26	446	1248	42	1290		



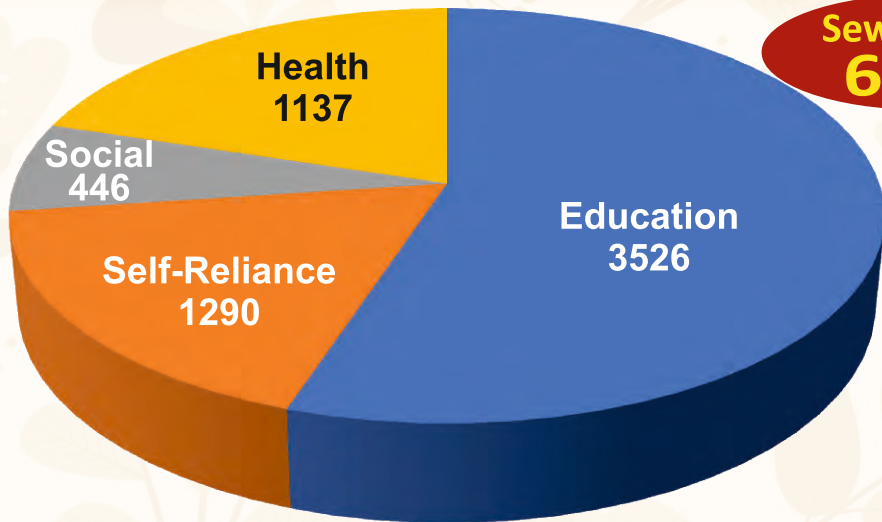


अखिल भारतीय सेवा वृत्त - जून 2025 विषयानुसार

शिक्षा Education		स्वास्थ्य Health		सामाजिक Social		स्वावलम्बन Self-Reliance		
क्र.	सेवा कार्य प्रकार	संख्या	क्र.	सेवा कार्य प्रकार	संख्या	क्र.	सेवा कार्य प्रकार	संख्या
1.	संस्कारशाला	1052	1.	ग्रामीण आरोग्य रक्षक / मित्र, पेटिका	800	1.	किशोरी विकास केन्द्र	3
2.	बाल संस्कार केन्द्र	408	2.	स्वास्थ्य जागरण केन्द्र	55	2.	मातृछाया/ अनाथ शिशु गृह	3
3.	बालवाड़ी	72	3.	चलित चिकित्सालय (Mobile Dispensary)	5	3.	झोला पुस्तकालय	276
4.	अभ्यासिका / पाठदान केन्द्र	36	4.	स्थिर चिकित्सा केन्द्र (O.P.D.) छोटे	68	4.	अन्नदान	46
5.	उच्च शिक्षा कोचिंग	8	5.	स्थिर चिकित्सालय (आवासीय)(बड़े)	4	5.	महिलाश्रम	2
6.	ट्यूशन केन्द्र / प्रतिभा विकास केन्द्र	1396	6.	प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र	3	6.	परिवार/कानूनी परामर्श केन्द्र (Counselling)	26
8.	प्राथमिक शाला (कक्षा 5वीं तक)	163	7.	रुग्ण सहायता केन्द्र	16	7.	अन्त्यसंस्कार केन्द्र	11
9.	माध्यमिक शाला (कक्षा 8वीं तक)	107	8.	रुग्णोपयोगी उपकरण केन्द्र	46	8.	वाचनालय/ पुस्तकालय	34
10.	उच्च माध्यमिक शाला	66	9.	रुग्णवाहिका	23	9.	वृद्धाश्रम	4
11.	चलित प्रयोगशाला	9	10.	न्यूरोथेरेपी, फिजिओथेरेपी, योग थेरेपी	8	10.	सन्त/ तीर्थयात्री विश्राम केन्द्र	12
12.	पुस्तक पेढी (Book Bank)	22	11.	रक्तकोष / ब्लड बैंक	3	11.	व्यायामशाला	3
13.	आवासीय विद्यालय / गुरुकुल	22	12.	साप्ताहिक रक्तदान सेवा	2	12.	अन्य	26
14.	हिन्दी शिक्षण वर्ग	1	13.	दिव्यांग सेवा केन्द्र	9			
15.	दिव्यांगों के लिए विद्यालय	2	14.	रुग्णालय	6			
16.	छात्रावास	133	15.	नेत्र कोष	1			
17.	निराश्रित बालक-बालिका सदन (विद्यालय जाने वाले)	29	16.	योग शिक्षा केन्द्र	22			
			17.	औषधि केन्द्र	56			
			18.	नशामुक्ति केन्द्र	10			
योग		3526	योग		1137	योग		446
				</				

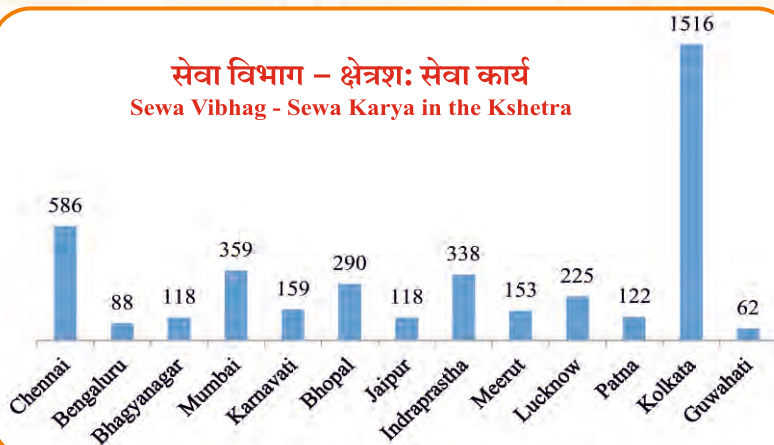
कुल सेवा कार्य	6399	शिक्षा	3526	स्वास्थ्य	1137	सामाजिक	446	स्वावलम्बन	1290
----------------	------	--------	------	-----------	------	---------	-----	------------	------





**Sewa Karya
6399**

सेवा विभाग - क्षेत्रशः सेवा कार्य
Sewa Vibhag - Sewa Karya in the Kshetra



सेवा उपक्रम
Sewa Activities

सेवा विभाग

उपक्रम	सेवित जन
1894	235265

आयाम

उपक्रम	सेवित जन
2937	217862

योग

उपक्रम	सेवित जन
4831	453127



आश्रमशाला से आदर्शग्राम

Model Village from AASHRAMSHALA

अपने देश में अनेक जनजातियाँ हैं, जो आज भी दरिद्रतापूर्ण स्थिति में जीवन व्यतीत करने को विवश है। महाराष्ट्र में ऐसी ही एक जनजाति है पारधी, जिनका जीवन अत्यधिक कठिनाइयों से भरा है। इसी समाज के बन्धु **आतिष गोपचन्द पवार** का जीवन-संघर्ष प्रेरणादायक है। बालपन में पिताजी के निधन के उपरान्त माँ ने उन्हें तथा उनकी बहन को सम्भाला। गुरुकुल आश्रमशाला में माँ भोजन बनाने का काम करती थी और आतिष भी इसी गुरुकुल आश्रमशाला में पढ़ते थे।

पारधी समाज को गाँव में बसने का अधिकार नहीं था। आज भी उनके मकान गाँव से दूर होते हैं। इसी पारधी समाज में जन्मे आतिष ने पूरे गाँव की दशा एवं दिशा को परिवर्तित कर दिया। प्राथमिक शिक्षा के बाद एक विद्यालय में उनकी नौकरी भी लग गई थी, लेकिन आतिष का समाजसेवी भाव देखकर गाँव के लोगों ने आतिष को सरपंच के चुनाव में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। गाँव की आवश्यकताएँ देखकर आतिष ने नौकरी छोड़कर गाँव के उत्थान हेतु सरपंच का चुनाव लड़ा और विजयी हुए।

आतिष के सरपंच बनने के बाद समाज के कुछ रूढ़िवादी लोगों को यह अच्छा नहीं लगा कि एक पारधी युवक सरपंच बन गया। इस विरोध एवं वैमनस्यपूर्ण वातावरण के मध्य भी आतिष ने सभी समस्याओं का डटकर सामना किया। उन्होंने सरपंच के अधिकार और कर्तव्यों का गहन अध्ययन किया और समाज के लिए काम करना आरम्भ किया। गाँव में बिजली, पानी, रोजगार आदि के क्षेत्र में अनेक सराहनीय कार्य करवाए।

आतिष स्वयं श्रम भी करते। स्वच्छता, वृक्षारोपण आदि कार्य करते। वर्तमान में सरकार की सभी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को सुलभ एवं सहज रूप में उपलब्ध है। आतिष बेरोजगार लोगों के सेवा नियोजन एवं स्वावलम्बन हेतु कटिबद्ध रहे साथ ही साथ वृहद स्तर पर वृक्षारोपण भी करवाया।

एक दिन आतिष ने तहसील कार्यालय ही गाँव में ला दिया और गाँव के लोगों की सभी समस्याओं का निस्तारण वहीं करवा दिया।

आज आतिष का गाँव आदर्श ग्राम के नाम से लोकप्रिय है।

ट्रस्ट : गुरुकुल आश्रमशाला उदासा, तह. उमरेड जि. नागपुर, महाराष्ट्र

संस्था : विश्व हिन्दू जनकल्याण परिषद, विदर्भ नागपुर

सम्पर्क : श्री रविकिरण चर्जन 9850883553



There are many tribes in our country who are still forced to live in poverty-stricken conditions. One such tribe in Maharashtra is the Pardhi community, whose lives are filled with great hardships.

The life struggle of **Atish Gopchand Pawar** from this community is truly inspiring. After the death of his father in childhood, his mother took care of him and his sister. She worked as a cook in the Gurukul Ashramshala, where Atish also studied.

The Pardhi community was not allowed to live within the village boundaries. Even today, their houses are located far from the village. Born into such a community, Atish transformed the condition and direction of the entire village. After completing his primary education, he got a job in a school. However, seeing his dedication to social service, the villagers encouraged him to contest the elections for the position of village head (sarpanch).

Realizing the needs of the village, Atish left his job and contested the sarpanch elections for the betterment of the village — and won. Some conservative people in the society did not like the fact that a Pardhi youth had become the sarpanch. Despite this opposition and hostile environment, Atish bravely faced all challenges. He studied the rights and duties of a sarpanch thoroughly and began working for the welfare of the community.

He initiated several commendable projects in the village, especially in the areas of electricity, water and employment. Whenever needed, Atish would personally engage in physical labor. He actively participated in cleanliness drives, tree plantations and similar efforts. Today, all government schemes are easily and effectively accessible to the villagers.

Atish remained committed to creating employment opportunities and promoting self-reliance among the unemployed, along with carrying out large-scale tree plantation drives. One day, he even managed to bring the entire tehsil office to the village itself, resolving all the villagers' problems on the spot. Today, Atish's village is popularly known as an "Ideal Village."

Trust : **Gurukul Ashramshala Udasa, Tahsil Umred, District Nagpur, Maharashtra**

Institution : **Vishva Hindu Jankalyan Parishad, Vidarbha Nagpur, Contact: Shri Ravikiran Charjn**
Ph: 9850883553

सेवार्थी सेवक बने Beneficiary becomes SEVAK

गिरिवासी वनवासी

सेवा प्रकल्प, घोरावल, सोनभद्र

(उप्र) के सकारात्मक वातावरण में सद्गांरिक निर्माण की दिशा में व्यक्तित्व-विकास के अनुपम उदाहरण हैं पूर्व छात्र डॉ. प्रदीप कुमार।

घोरावल कस्बे के एक दीन-हीन परिवार में जन्मे डॉ. प्रदीप ने सन् 1988 से 1992 तक एक छात्र के रूप में इस छात्रावास में रहते हुए जो शिक्षा, संस्कार एवं सामूहिक जीवन के संस्कार पाए हैं, उनके बल पर वे चिकित्सकीय उच्च अध्ययन (M.D. Medicine) के पश्चात् वर्तमान में सफल चिकित्सक के रूप में समाज में सेवारत हैं। डॉ. प्रदीप अपनी सफलता का सम्पूर्ण श्रेय छात्रावास के समरसतापूर्ण एवं आत्मीयतायुक्त वातावरण में मिले संस्कारों एवं शिक्षा को देते हैं।

इतना ही नहीं, वे चिकित्सकीय सेवा के साथ-साथ 'सेवार्थी सेवक बने' इस उक्ति को चरितार्थ करते हुए कृतज्ञता पूर्वक प्रकल्प के दो छात्रों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

डॉ. प्रदीप कुमार घोरावल प्रकल्प समिति में उपाध्यक्ष भी हैं।



Girivasi Vanvasi

Seva Prakalpa, Ghorawal, Sonbhadra (Uttar Pradesh)

is a unique example of a prakalp dedicated towards personality development and creating good citizens in a positive environment.

Born in a poor family of Ghorawal, Dr. Pradeep is currently serving the society as a successful doctor after his M.B.B.S and M.D. Medicine, on the strong foundation of the education, culture and community life he has received while living in this hostel as a student from 1988 to 1992. Dr Pradeep attributes his success to the values and education he received in the harmonious and intimate atmosphere of the hostel.

Not only this, along with being a medical practitioner he is also fulfilling his saying with gratitude, by becoming a devoted 'sevarthi sevak', he is bearing financial expense for the education of two students in the prakalp.

Dr Pradeep Kumar Ghorawal is also assuming the role of vice-chairman in the prakalp



श्री रणजीत ईमानवेल पावरा

तहसील-धड़गाँव जनपद नन्दूरबार के मुंगबरी वसतिगृह में पढ़ते थे। उन्होंने अपनी

असीम बुद्धिमत्ता एवं कड़े परिश्रम के बल पर अपनी पाठशाला में यश प्राप्त किया।

जनजातीय क्षेत्र में निवास करने वाले इस विद्यार्थी ने वसतिगृह के पश्चात्, महाविद्यालय में उच्च शिक्षा प्राप्त की। तत्पश्चात् उन्होंने महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में वह नासिक जनपद में बिक्री कर निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनके छोटे भाई राकेश ईमानवेल पावरा भी इसी वसतिगृह में पढ़ते थे, आज वह भी माध्यमिक शिक्षक के रूप कार्यरत हैं।



Shri Ranjit Emanuel Pavara studied at the **Mungbari Hostel in Devgiri Prant**, located in Mungbari, Taluka Dhadgaon, District Nandurbar. Through his exceptional intelligence and hard work, he earned recognition and success in his school. Despite residing in a tribal region, this student pursued higher education after completing his stay at the hostel. Subsequently, he passed the Maharashtra Public Service Commission (MPSC) examination conducted by the Government of Maharashtra.

He is currently serving as a Sales Tax Inspector in the Nashik district. His younger brother, Mr. Rakesh Emanuel Pavara, also studied at the Mungbari Hostel

Today, he too is serving as a secondary school teacher.

प्रतिभा विकास Talent Development



विद्यालय विकास मण्डल द्वारा संचालित विद्या विकास मन्दिर, नेरुल विश्व हिन्दू परिषद संचालित विद्यालय है। इस विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं समाज के निर्धन एवं अभावग्रस्त परिवारों से आते हैं। संस्था द्वारा इनके अध्ययन एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता का प्रयास किया जाता है। ऐसा ही एक उदाहरण है एक प्रतिभाशाली छात्रा **मधुरा गणेश दिघे** का। इस छात्रा ने अपनी विद्यालयीन शिक्षा मण्डल के विद्यालय से परिश्रम पूर्वक सम्पन्न की। उच्च अध्ययन के लिए आर्थिक सहयोग की समस्या का समाधान संस्था के द्वारा किया गया। फलस्वरूप कु. मधुरा गणेश दिघे बी.ई. पोलिटेक्निक कॉलेज में प्रथम आयी।

कुछ वर्ष भारत में अक्सेंचर आईटी कम्पनी में सेवारत रहने के पश्चात वर्तमान में वह अमेरिका में अपनी सेवाएँ दे रही है।

संस्था द्वारा अध्ययन एवं अन्य सहायता का ऐसा ही एक उदाहरण है एक प्रतिभाशाली छात्र **आशुतोष रेवणसिद्ध भुमकर** का। इस छात्र ने अपनी विद्यालयीन शिक्षा मण्डल के विद्यालय से परिश्रम पूर्वक सम्पन्न की। उच्च अध्ययन के लिए आर्थिक सहयोग की समस्या का समाधान संस्था के द्वारा किया गया। फलस्वरूप वर्तमान में वह एक आईटी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है तथा डेटा एनालिसिस एवं बिजनेस इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्यरत है।



Vidya Vikas Mandir, Nerul, operated by the Vidyalaya Vikas Mandal, is a school managed by the Vishwa Hindu Parishad. The students studying in this school come from economically weaker and underprivileged families. The institution strives to assist these students in their education and other essential needs.

One such example is **Madhura Ganesh Dighe**, a talented student. She diligently completed her schooling at the institution's school. When she faced financial difficulties in pursuing higher education, the institution resolved the issue by providing support. As a result, Miss Madhura Ganesh Dighe secured the first rank in her B.E. Polytechnic College.

After serving for a few years in Accenture IT Company in India, she is now currently offering her services in the United States.

The organization makes efforts to support their education and other essential needs. One such example is a talented student, **Ashutosh Rewansiddh Bhumkar**. He diligently completed his school education at the Manda.

संस्कारों से व्यसनमुक्ति Deaddiction through SAMSAKAR

भोपाल - मीराबाई संस्कारशाला ई 8, ईश्वर नगर, दाना पानी रोड, नया भोपाल की आचार्या बहन **श्रीमती लता सिसोदिया** 2023 से संस्कारशाला संचालित कर रही हैं।

उनका विवाह सन् 2008 में हुआ था। उनके पति श्री मुकेश सिसोदिया ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। परन्तु वह प्रतिदिन शराब का सेवन करते थे।

लता सिसोदिया द्वारा **संस्कारशाला** चलाने से बस्ती के बच्चों में संस्कार विकसित हुए और उनका समूची बस्ती के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी हो गया, जिससे वे अपनी मोहल्ले की 'दीदी' बन गईं।

अपनी पत्नी को मिल रहे सम्मान को देखकर उनके पति को भी शराब की इस बुरी आदत से हीन भावना उत्पन्न होने लगी, जिसके फलस्वरूप उन्होंने अपनी पत्नी एवं परिवार की मर्यादा के लिए शराब को त्याग दिया और वर्तमान में एक सम्मानित एवं सात्विक जीवनशैली का अनुसरण कर रहे हैं।



Through the Sanskar Shala, not only children but also the husband imbibed values and gave up alcohol.

Bhopal - Meera Bai Sanskarshala, located at E-8, Ishwar Nagar, Dana Pani Road, New Bhopal, has been run by acharya baheen **Mrs. Lata Sisodiya** since 2023.

She was married in the year 2008. Her husband, Mr. Mukesh Sisodiya, supports the family by driving an auto-rickshaw, but he used to consume alcohol daily.

Through the running of the **Sanskarshala** by Lata Sisodiya, moral values began to develop among the children of the neighborhood, and a deep emotional bond was formed with the entire locality. This led to her being affectionately regarded as the '**Didi**' (Elder sister) of the neighborhood.

Seeing the respect his wife was receiving, her husband began to feel a sense of inferiority due to his alcohol addiction. As a result, he gave up alcohol for the dignity of his wife and family. He is now living a respectful and virtuous lifestyle.

क्रीड़ा विकास Sports Developments

श्री हिमांशु दत्त भट्ट उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ जनपद के टाकुल गांव के रहने वाले हैं। वे अत्यन्त निर्धन परिवार से हैं।

परिवार में पिताजी और दो बहनें हैं। उन्होंने वर्ष 2014 से 9 वर्षों तक वात्सल्य वाटिका, बहादुराबाद, हरिद्वार में रहकर कक्षा 10वीं तक की शिक्षा प्राप्त की।

उनकी फुटबॉल में विशेष रुचि है। उन्होंने जिला स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय फुटबॉल में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने परिवार और वात्सल्य वाटिका बहादुराबाद का मान बढ़ाया है।

वात्सल्य वाटिका से ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए वे एलपीयू (लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी), पंजाब में चयनित प्राप्त हुए हैं।

वर्तमान समय में वे- पंजाब फुटबॉल लीग में 19 वर्ष आयु वर्ग। दिल्ली यूथ लीग में 19 वर्ष आयु वर्ग। सिग्रेचर एफसी एवं नॉर्थ जॉन यूनिवर्सिटी गेम्स में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।



Shri Himanshu Datt Bhatt hails from the village of Takul in the Pithoragarh district of Uttarakhand. He comes from not very well off family.

His family consists of his father and 2 sisters.

He stayed at Vatsalya Vatika, Bahadrabad for 9 years starting from 2014 and completed his education up to Class 10 there. He has a special interest in football.

By winning gold medals in district and state-level football tournaments, he has brought pride to his family and to Vatsalya Vatika, Bahadrabad. He also secured first place in a national-level football competition while still at Vatsalya Vatika.

Currently, he continues to showcase his talent at the national level and has been selected by LPU (Lovely Professional University), Punjab. In the field of sports, he is presently: Participating in the Punjab Football League (Under-19 category) Participating in the Delhi Youth League (Under-19 category) Showcasing his talent in Signature FC and the North Zone University Games.



श्री दानीराजा त्रिपुरा प्रान्त के दक्षिण त्रिपुरा जनपद के कृष्णकान्तपारा गांव के रहने वाले हैं। वे एक अत्यन्त निर्धन परिवार से आते हैं।

उनके परिवार में पिताजी, माताजी, बहन और 4 भाई हैं। परिवार में आय का कोई विशेष साधन उपलब्ध नहीं है। दानीराजा ने वर्ष 2016 से वात्सल्य वाटिका बहादुराबाद, हरिद्वार में रहकर कक्षा 10वीं तक की शिक्षा प्राप्त की, तत्पश्चात् वे अपनी पॉलिटेक्निक की पढ़ाई, कोर यूनिवर्सिटी, रुड़की से कर रहे हैं।

शिक्षा के साथ-साथ वे खेल जगत में भी प्रतिभाग करते हैं, विशेषकर फुटबॉल और टेबिल टेनिस में उनकी रुचि है। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर फुटबॉल में 15 स्वर्ण पदक व टेबिल टेनिस में 2 स्वर्णपदक प्राप्त करके अपने परिवार व वात्सल्य वाटिका, का गौरव बढ़ाया है।



Shri Daniraja Tripura, hails from the village of Krishnakantpara in the South Tripura district of the Tripura state. He does not comes from a very well off family.

His family consists of his father, mother, one sister and four brothers. There is no significant source of income in the family.

Daniraja has been residing at Vatsalya Vatika, Bahadrabad since 2016, where he completed his education up to class 10. Thereafter, he has been pursuing his Polytechnic studies at CORE University, Roorkee.

Along with academics, he actively participates in sports, particularly showing interest in football and table tennis. He has brought pride to his family and to Vatsalya Vatika, Bahadrabad by winning 15 gold medals in football and 2 gold medals in table tennis at the university level.

बलि प्रथा पर विराम Stop to *BALI PRATHA*

दाहोद जनपद के झालोद तहसील (द. गुजरात) में क्रियाशील **श्रीरामजानकी आश्रमशाला** जलाई माता मन्दिर में वर्ष 2001 में प्रारम्भ की गई थी।

उस मन्दिर में लोग अपनी अन्धश्रद्धा एवं परम्परागत कुरीति का पालन करने के कारण निर्दोष पशु पक्षियों की बलि माताजी को अर्पित करते थे।

आश्रमशाला के बालकों एवं बालिकाओं के माध्यम से आसपास के गांवों में बलिप्रथा कुरीति के विरुद्ध जनजागरूकता प्रसारित की गई। धीरे धीरे स्थानीय समाज जाग्रत हुआ एवं सात्विक पद्धति के अनुसार पूजन तथा अनुष्ठान होने लगे।

वर्तमान में जलाई माता के मन्दिर का विस्तार एवं पुनर्निर्माण हो गया है तथा बलिप्रथा पूर्णतः समाप्त हो चुकी है। श्री रामजानकी आश्रमशाला में पढ़े बालक-बालिकाएँ आज योग्य शिक्षक, सैनिक, पुलिसकर्मी एवं अनेक राजकीय सेवाओं में कार्यरत हैं। अनेक विद्यार्थी एकल विद्यालय में आचार्य के रूप में सेवा दे रहे हैं।

सम्पर्क: श्री खेमभाई पटेल : 9979884740



In the **Jhalod tehsil of Dahod district, (S. Gujarat)** the **Shri Ramjanaki Ashramshala** was established in the year 2001 within the premises of the Jalai Mata temple.

At that time, people, driven by blind faith and traditional malpractice, used to offer innocent animals and birds as sacrifices to the deity.

Through the efforts of the students of the ashramshala, awareness was spread in the surrounding villages against the malpractice of animal sacrifice. Gradually, the local community became enlightened and began conducting worship and rituals in a pure and non-violent manner.

Today, the Jalai Mata temple has been expanded and renovated, and the practice of animal sacrifice has been completely abolished. Students who studied at Shri Ramjanaki Ashramshala are now serving as qualified teachers, soldiers, police personnel, and in various government services. Many students are also serving as Acharyas (teachers) in Ekal Vidyalayas.

Contact : Shri Khemabhai Patel : 9979884740

शिक्षा में अभिरुचि एवं स्वावलम्बन

Aptitude in Education and Self Reliance

मालवा प्रान्त के रामेश्वर जनपद इन्दौर में चोइथराम सब्जी मण्डी से लगी हुई गड़बड़ी मोहल्ला नामक सेवा बस्ती में तीन वर्ष पूर्व तक 20 बच्चे ऐसे थे जो कभी विद्यालय नहीं गए थे। इस अशिक्षा के अन्धकार को मिटाने हेतु वहां अपनी **भगत सिंह संस्कारशाला** आरम्भ की गई। संस्कारशाला में इन बच्चों की पढ़ाई प्रारम्भ हुई।

वर्तमान में इस संस्कारशाला के सभी बच्चे सुशिक्षित एवं संस्कारी हो गए हैं। उनके आचरण और व्यवहार में सनातनी संस्कारों को देख कर सम्पूर्ण बस्ती के निवासी विश्व हिन्दू परिषद के सेवा कार्य से प्रभावित हुए हैं और धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर सहभागी बनने लगे हैं।

संस्कारशाला की सफलता के जीवन्त प्रमाण है नीतीश अस्त्रिय जिन्होंने अपने हाईस्कूल की मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा उच्च अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, नीतीश संस्कारशाला के नियमित विद्यार्थी हैं, उनके आचरण में सद्गुणों का विकास संस्कारशाला के माध्यम से ही हुआ है।

आज उनके माता पिता एवं सम्पूर्ण बस्ती के लोग उन पर गर्व करते हैं।



In the **Ramashwar district of Malwa Prant**, near the Choithram vegetable market in Indore, there is a slum area known as Gadbad Mohalla. Three years ago, there were 20 children in this settlement who had never been to school. To eradicate this darkness of illiteracy, the **Bhagat Singh Sanskarshala** was started there. The education of these children began in the Sanskarshala. Today, all the children from this Sanskarshala are educated and well-mannered. Seeing the Sanatani (traditional Hindu) values reflected in their behavior and conduct, the entire community has been deeply inspired by the service work of the Vishwa Hindu Parishad and has started participating actively in religious activities.

living example of the success of the Sanskarshala is Nitish striya, who passed his high school examination conducted by the Madhya Pradesh Board of Secondary Education with high marks and in first division. Nitish is a regular student of the Sanskarshala, and the development of virtues in his character has been made possible through it.

Today, his parents and the entire community are proud of him.

इन्दौर के बद्रीनाथ जनपद में क्रियाशील सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में **बहन हेमलता** सिलाई सीखने आई थी।

वे आर्थिक रूप से निर्बल होने के कारण अत्यधिक व्यथित रहती थी। प्रशिक्षण के उपरान्त उन्होंने अपने घर पर ही सिलाई कार्य पूरी लगन के साथ आरम्भ कर दिया। वर्तमान में प्रति माह 6 से 7 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। आज वह एक सशक्त एवं स्वावलम्बी महिला के रूप में अपने बच्चों की पढ़ाई और परिवार के अन्य व्ययों में सहयोगी बन रही हैं।



The active sewing training center in **Badrinath district of Indore**, a **Bhagini Hemlata** came to learn stitching. Due to being economically weak, she was facing significant difficulties. After completing her training, she began sewing work at home with full dedication.

At present, she is earning an income of Rs. 6,000 to 7,000 per month. Today, she has become an empowered and self-reliant woman, contributing to her children's education and other household expenses.

स्वावलम्बन एवं संस्कार जागरण Self-Reliance and Cultural Awareness

जोधपुर प्रान्त के
हनुमानगढ़ के वार्ड नंबर 36 में रेलवे
स्टेशन के पास की निवासी **निशा** के जीवन
में आमूलचूल परिवर्तन आया है।

वह मेधावी छात्रा थी किन्तु घर की आर्थिक
स्थिति ठीक न होने के कारण उसने पढ़ाई छोड़कर
मजदूरी करना आरम्भ कर दिया था। इस प्रतिभाशाली
युवती को पुनः शिक्षा से जोड़ने तथा सशक्त एवं स्वावलम्बी
बनाने हेतु सेवा विभाग द्वारा श्रीदेवी पॉलिटेक्निक कॉलेज
हनुमानगढ़ में फैशन डिजाइनिंग के डिप्लोमा में उसका प्रवेश
करवाया गया। उसके शिक्षा का सम्पूर्ण व्यय विश्व हिन्दू
परिषद के सेवा विभाग द्वारा वहन किया जा रहा है।

वर्तमान में निशा के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन
की नई ज्योति प्रज्वलित हो गई है तथा उसके परिवार
में भी कुटुम्ब प्रबोधन एवं धार्मिक प्रवृत्ति के
प्रशंसनीय भाव जाग्रत हो गए हैं और सभी
लोग एक सात्विक जीवन शैली का
अनुकरण कर रहे हैं।



Aprofound
transformation has taken place
in the life of **Nisha**, resident of Ward
No. 36, **Hanumangarh (Jodhpur
Prant)**, near the railway station.

She was a bright student, but due to the
poor financial condition of her family, she had
to leave her studies and take up hardships of
manual labor.

To reconnect this talented young woman with
education and to empower her to become self-reliant, the
Seva Department facilitated her admission into the
Fashion Designing diploma program at Sridevi
Polytechnic College in Hanumangarh.

The entire cost of her education is being borne by
the Seva Department of the Vishwa Hindu Parishad.

New light of positive change has now been
kindled in Nisha's life, and her family has also
developed commendable values of kutumbh
prabodhan and religious inclination.

They are all now following a sattvik
(pure and disciplined)
lifestyle.

माँ खबड़ी देवी संस्कारशाला, कोलका, जनपद बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) की छात्रा **कनिका** के जीवन एवं व्यक्तित्व
में संस्कारशाला के सम्पर्क में आने के पश्चात उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। उसके मनोबल, इच्छाशक्ति एवं शैक्षिक प्रतिभा में
सकारात्मक वृद्धि हुई है।

उसने अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय आविष्कार अभियानविज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत सत्र 2023-2024
में राज्य स्तर पर मक्का श्रेणिंग मशीन पर आधारित अपने स्वनिर्मित वैज्ञानिक मॉडल के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया
वर्तमान सत्र 2024-2025 हेतु भी उसका वैज्ञानिक मॉडल जोकि अन्तरिक्ष विज्ञान में इसरो की अति महत्वाकांक्षी योजना चन्द्रयान 3 पर
आधारित है, का चयन जनपद स्तर पर हो चुका है।

Sanskarshala (Cultural School) - Maa Khabdi Devi Sanskar Branch, Kolka, district Bilaspur (Himachal Pradesh) Kanika, a student of this Sanskarshala, has undergone remarkable changes in her life and personality after becoming a part of it. There has been a positive development in her confidence, willpower, and academic abilities. She showcased her extraordinary skills by securing first position at the state level under the Rashtriya avishkar abhiyan of Ministry of science, government of India for the session 2023-2024 with her scientific model Corn of Threshing Machine.

In the current session 2024-2025 too, her scientific model based on the highly ambitious space science mission of Isro Chandrayaan-3 has also been selected at the district level.

समर्पित कार्यकर्ता के रूप में परिवर्तन

Transformation as a Dedicated KARYAKARTA

श्री प्रसन्न लोंगमलाइ जी का जन्म 27 फरवरी 1967 को माहुर के पास, दीमा हसाओ में हुआ था। उन्होंने सन् 1976 में मोहता छात्रावास, हाफलांग में प्रवेश लिया तथा वहीं रहते हुए 1982 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। तत्पश्चात् उन्होंने हाफलांग गवर्नमेंट कॉलेज में प्री-यूनिवर्सिटी प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया। छात्रावास के संस्कारों से उनके व्यक्तित्व में राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पण की भावना विकसित हो गई जिसने उन्हें अपना सर्वस्व न्यौछावर करने हेतु प्रेरित किया और उसी वर्ष उन्होंने फुलोनी में संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त किया। तत्पश्चात् 1983 में सेमखोर में एक प्राइमरी शिक्षक के रूप में वे कार्यरत हुए तथा छह वर्ष तक सेवारत रहे। 1989 में वे हाफलांग लौट आए और मोहता छात्रावास के छात्रावास प्रमुख बने, जहाँ उन्होंने पाँच वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद वे हेजाइचक हिन्दू एम.ई. स्कूल में प्रधानाध्यापक बने और दो वर्ष तक वहाँ सेवाएं दीं। तत्पश्चात् वे विश्व हिन्दू परिषद के जिला संगठन सचिव के रूप में हाफलांग लौट आए, जहाँ उन्होंने 1998 तक कार्य किया। 1998 में उन्होंने गीताश्रम, होजाई में संघ शिक्षा वर्ग द्वितीय वर्ष का शिक्षण पूर्ण किया और विश्व हिन्दू परिषद, हाफलांग का कार्यभार संभाला। 2013 में उन्होंने संघ शिक्षा वर्ग तृतीय वर्ष पूर्ण किया और वर्तमान में प्रकल्प प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। प्रसन्न जी के सुपुत्र विगत कुछ वर्षों से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्णकालीन कार्यकर्ता के रूप में सेवारत हैं।

Shri Prasanna Longmailai was born on 27 February 1967 near Mahur, in Dima Hasao. He joined Mohata Hostel, Haflong, in 1976, and while residing there, he passed his matriculation examination in 1982. He then took admission in Pre-University First Year at Haflong Government College. The values and discipline of the hostel instilled in him a deep sense of dedication toward the nation and society, which inspired him to dedicate himself wholeheartedly. In the same year, he received Pratham varsha Sangh Shiksha Varg training at Phuloni. After that, in 1983, he began working as a primary school teacher in Semkhor, where he served for six years. In 1989, he returned to Haflong and became the Warden of Mohata Hostel, a role he held for five years. Following this, he served as the Headmaster at Hejaichak Hindu M.E. School for two years. He then returned to Haflong as the District Organizational Secretary of the Vishwa Hindu Parishad (VHP), a position he held until 1998. In 1998, he completed the Sangh Shiksha Varg dwitiya varsh training at Geetashram, Hojai, and took over responsibilities of the VHP in Haflong. In 2013, he completed the Sangh Shiksha Varg tritiya varsh and is currently serving as the Project Head. Prasanna ji's son has been serving as a full-time karakarta of Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad for the last few years.



श्री डॉनपेनॉन थाओसेन, असम, भारत के एक प्रतिष्ठित नेता, का जन्म 6 फरवरी 1981 को हाफलांग में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा की नींव विश्व हिन्दू परिषद द्वारा संचालित मोहता छात्रावास (1991-96) में रखी। जहाँ उन्होंने अपनी प्रारम्भिक पढ़ाई पूरी की। इस आरम्भिक कदम

ने उनके सार्वजनिक सेवा के भविष्य की दिशा तय की। श्री डॉनपेनॉन थाओसेन ने दीमा हसाओ स्वायत्त परिषद में एक प्रमुख राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जहाँ वे हाफलांग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्यकारी सदस्य रहे हैं।

अपनी नेतृत्व क्षमता और समर्पण के माध्यम से, श्री थाओसेन हाफलांग निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक सशक्त आवाज बनकर उभरे हैं, जो क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने और जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहे हैं। सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और संगठन के अन्तर्गत विभिन्न भूमिकाओं में उनकी भागीदारी, लोगों की सेवा और अपने समुदाय के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

Shri. Donpainon Thaosen, a distinguished leader from **Assam, Bharat**, was born on February 6, 1981, in Haflong. He laid the foundation of his education at the Mohata Chatravas (1991-96), run by Vishwa Hindu Parishad where he completed his initial schooling. This early start paved the way for his future endeavors in public service. Shri. Donpainon Thaosen has made significant contributions to the Dima Hasao autonomous Council (DHC), as a prominent political figure, serving as an Executive Member representing the Haflong constituency.

Through his leadership and dedication, Shri. Thaosen has emerged as a strong voice for Haflong Constituency, working tirelessly to address their needs and promote the development of the region. His commitment to public service and his involvement in various capacities within the organisation reflect his passion for serving the people and contributing to the growth of his community.

शिक्षा से जीवन निर्माण Building Life through Education

उ. गुजरात के कड़ी नगर में विश्व हिन्दू परिषद संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय छात्रावास में आस पास के ग्रामीण क्षेत्र से निर्धन एवं अभावग्रस्त बालकों के निवास, भोजन एवं अध्ययन की व्यवस्था है। संस्था के ट्रस्टीगण समाज में सम्पर्क करते हुए अभावग्रस्त परिवारों के बालकों को



छात्रावास में अध्ययनरत करने हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। एक छोटे से ग्राम इराणा के नेत्रहीन बालक **प्रदीप कुमार नाई** को सम्पर्क करने पर यह समस्या ध्यान में आई कि वह प्रतिभाशाली बालक आगे पढ़ाई का इच्छुक तो है किन्तु इस छोटे से ग्राम में ब्रेल लिपि के माध्यम से अध्ययन सम्भव नहीं है। ट्रस्टीगण ने उसे छात्रावास में रहकर अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया। परिणामतः प्रदीप कुमार ने सन् 2007 से 2011 तक अपना अध्ययन पूर्ण किया। तत्पश्चात प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होकर वर्तमान में वह बैंक ऑफ़ बड़ौदा में कार्यरत है एवं अपने जीवन की सफलता का श्रेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय छात्रावास कड़ी के संचालनकर्ताओं को देते हैं।

In **Kadi town of N. Gujarat**, the Pandit Deendayal Upadhyay Hostel, run by the Vishva Hindu Parishad, provides accommodation, meals and education facilities for poor and underprivileged children from nearby rural areas. The trustees of the organization actively engage with the community to identify children from deprived families and help them join the hostel for their education. One such case was that of a visually impaired boy, **Pradeep Kumar Nai**, from the small village of Irana. Upon reaching out to him, it was discovered that although he was talented and eager to study further, it was not possible for him to continue his education in that small village due to the unavailability of Braille script learning resources. The trustees encouraged him to stay at the hostel and pursue his education. As a result, Pradeep Kumar successfully completed his studies from 2007 to 2011. He then cleared competitive examinations and is currently employed at the Bank of Baroda. He credits the success and progress in his life to the efforts and support of the administrators of Pandit Deendayal Upadhyay Hostel, Kadi.



उ. गुजरात प्रान्त के अंजार नगर में अहिल्या कन्या छात्रावास विश्व हिन्दू परिषद् संचालित है, जिसमें निर्धन एवं अभावग्रस्त परिवारों की छात्राएं अध्ययनरत हैं। एक छोटे गाँव में मजदूरी करने वाले परिवार की बेटी

दुर्गा नवघणभाई गुजरिया ने छठी कक्षा में छात्रावास में प्रवेश लिया एवं सतत अध्ययन करते हुए जी.एन.एम. नर्सिंग तक अध्ययन किया। वर्तमान में वह राजकीय अस्पताल में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में कार्यरत है। दुर्गा बहन छात्रावास में मिले शिक्षा एवं संस्कारों के प्रति कृतज्ञ है तथा गर्व से कहती है कि छात्रावास के वातावरण ने ही उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अन्यथा मजदूर परिवार की बेटी का भविष्य भी मजदूरी करके गुजारा करना था। दुर्गा 11 वर्षों तक छात्रावास में अध्ययनरत रही। वर्तमान में उसकी 3 छोटी बहनें भी छात्रावास में अध्ययनरत हैं।



In **Anjar town of N. Gujarat Prant**, the Ahilya Girls' Hostel is operated by the Vishva Hindu Parishad, where girls from poor and underprivileged families are pursuing their education. **Durga Navghanbhai Gujariya**, the daughter of a laborer family from a small village, joined the hostel in the 6th grade and continued her studies diligently up to G.N.M. (General Nursing and Midwifery). She is currently employed as a government staff member in a state hospital.

Durga is grateful for the education and values she received at the hostel and proudly says that it was the hostel environment that inspired her to move forward in life. Otherwise, as the daughter of a laborer, her future would likely have involved doing labor work as well.

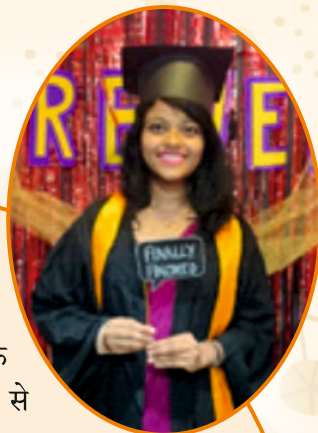
Durga stayed in the hostel for 11 years and currently, her three younger sisters are also studying there.

शिक्षा से जीवन निर्माण

Building Life through Education

कु. रिश्वा राजेन्द्र नार्वेकर :

चार वर्ष की आयु में मातृछाया प्रकल्प केन्द्र पर रिश्वा राजेन्द्र नार्वेकर को मानो माँ की छाया प्राप्त हुई। यहाँ आश्रय ही नहीं अपितु प्रेम, देखभाल, मार्गदर्शन और उत्तम शैक्षिक वातावरण भी मिला। विद्यालयीन तथा उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक सभी साधन, पुस्तकें एवं मार्गदर्शन समय-समय पर उपलब्ध हुआ। यहाँ के कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं सेवकों ने इनके व्यक्तित्व, मूल्य और जीवन का दृष्टिकोण विकसित करने में अपना असीम योगदान प्रदान किया है। यहाँ से अनुशासन, संयम और आत्मविश्वास का पाठ सीखने के पश्चात् रिश्वा ने माइक्रोबायोलॉजी में एमएससी किया और आज देश की एक प्रतिष्ठित दवा कम्पनी सिप्ला में माइक्रोबायोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। मातृछाया परिवार ने उन्हें उसी प्रकार संस्कारित एवं पोषित किया जिस प्रकार एक कुटुम्ब में कन्या को पुत्री के रूप में किया जाता है। रिश्वा इन संस्कारों को संजोकर वर्तमान में एक सफल एवं स्वावलम्बी जीवन व्यतीत कर रही हैं। मातृछाया, गोवा-परिवार को रिश्वा पर बहुत गर्व है।



Miss Rishwa Rajendra Narvekar : The term "Matruchhaya" means "mother's shadow", a nurturing presence that Rishwa received at the center at the tender age of four. Here, she not only found shelter but also love, care, guidance, and an excellent educational environment. All necessary resources, books, and guidance required for school and higher education were made available to her from time to time. The staff, caregivers and teachers here played a significant role in shaping her personality, values and outlook on life. After learning the values of discipline, self-control and confidence at Matruchhaya, Rishwa went on to complete her M.Sc. in Microbiology and is currently working as a microbiologist at Cipla, one of the country's prestigious pharmaceutical companies. The Matruchhaya,Goa-family nurtured and guided her just like a daughter is raised within a family. Rishwa has embraced these values and is now leading a successful and self-reliant life.

सेजल नायर को उसकी विधवा मौसी

अपनी बेटी के साथ मातृछाया में ले आई। सेजल की मन्दबुद्धि बहन मातृछाया में नहीं रह पाई किन्तु सेजल तुरन्त घुलमिल गई। मीठी हँसने वाली, शान्त, समझदार सेजल सबकी प्यारी बन गई। बचपन में ही उसने अपनी माँ को अत्याचार सहते और फिर अकेले ही कठिनाइयों से घर चलाते हुए देखा था। इसलिए उसके मन पर थोड़ा प्रभाव हुआ होगा। विधवा मौसी स्वयं का और अपनी दो बेटियों का कठिनाई से पेट भर रही थी। उसने विश्वास के साथ सेजल को मातृछाया में प्रवेश दिलाया। मातृछाया ने सेजल को पूरा सहयोग दिया, प्यार दिया और उसका आत्मविश्वास बढ़ने लगा। उसकी बौद्धिक क्षमता के अनुसार, उसे लोकविश्वास विशेष बच्चों के स्कूल में भर्ती कराया गया। वहाँ उसकी प्रतिभा को पहचानकर स्कूल ने उसे धावक बनाने के प्रयास शुरू किए। मातृछाया ने नियमित रूप से उसका अभ्यास करवाया। उसने अबू धाबी में विशेष ओलंपिक में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी क्षमता को प्रकट किया तथा मातृछाया का मान बढ़ाया।



Sejal Nair was brought to Matruchhaya by her widowed aunt along with her own daughter. Sejal's mentally challenged sister could not stay at Matruchhaya, but Sejal quickly adjusted. Sweet-smiling, calm and sensible Sejal became everyone's favorite. As a child, she had seen her mother suffer through abuse and then run the household alone amidst great difficulties. Her widowed aunt was barely able to feed herself and her two daughters. With faith, she enrolled Sejal in Matruchhaya. Matruchhaya gave Sejal full support and love. Her self-confidence began to grow. Based on her intellectual ability, she was admitted to Lokvishwas Special School. There, her talent was recognized and efforts were made to train her as a runner. Matruchhaya ensured her regular practice. She proved her abilities by winning the gold medal in the 100-meter race at the Special Olympics in Abu Dhabi, bringing honor to Matruchhaya.



Trust : Matruchhaya, Fonda, Goa Contact:
Mr. Shirish Amshekar Matruchhaya,
91 7558238922

शिक्षा से जीवन निर्माण

Building Life through Education



16 मार्च 1994 को **श्रीभूमि जिले के डुल्लबछेरा** के पास स्थित कलाछेरा में जन्मे **अमियो नाथ** - वसन्त ऋतु में जन्मा एक बालक, हाथ में बैट और दिल में सचिन के साथ क्रिकेट उसके जीवन का स्वप्न था। सपने ऊँचे थे और आँखों में चमक थी। लेकिन नियति ने उसे और गहराई से जड़ें पकड़ने को प्रेरित किया, उनका परिवार हिन्दू स्वराज के प्रति समर्पित था, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद की विचारधारा से प्रभावित था। उसने अपनी शिक्षा की शुरुआत सरस्वती विद्या मंदिर, डुल्लबछेरा से की। फिर जवाहर नवोदय विद्यालय, करीमगंज (कक्षा 6-12) में पढ़ाई की। उनके पग-पग में अनुशासन और आत्म-खोज का संगम था।

जी.सी. कॉलेज से स्नातक किया और **गोविन्दो बाड़ी छात्रावास** में निवास किया। विश्व हिन्दू परिषद की छांव में उसके आदर्श और गहरे होते गए। डिफू से मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की, ज्ञान के साथ ही साथ जीवन के उद्देश्य भी बढ़ते गए। वर्तमान में वह विवेकानन्द विद्यालय में प्रधानाचार्य के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। एक शिक्षक, मार्गदर्शक और सांस्कृतिक धरोहर के वाहक। हर सफलता में विश्व हिन्दू परिषद के मार्गदर्शन की प्रतिध्वनि है जिसने उन्हें बढ़ने का स्थान दिया और उठने की शक्ति भी संगठन ने अमियो के जीवन को आस्था से संवरित एवं अनुशासन से परिभाषित किया है। वह एक ऐसा युवा है जो सशक्त है, बाँधा नहीं जड़ों से जुड़ा है अपितु स्वतन्त्र है।

Born on 16th March 1994 in Kalacherra, near Dullabcherra in the **Shree Bhumi district, Amio Nath** - a child of the spring season - held a bat in his hand and Sachin in his heart. Cricket was his passion, his dreams were high, and his eyes sparkled with hope. But destiny guided him toward deeper roots. His family was devoted to the cause of Hindu Swaraj and inspired by the ideology of the Rashtriya Swayamsevak Sangh and Vishwa Hindu Parishad.

He began his education at Saraswati Vidya Mandir, Dullabcherra and continued at Jawahar Navodaya Vidyalaya, Karimganj (Classes 6-12). Each step of his journey was marked by discipline and self-discovery.

He graduated from G.C. College and resided at Gobindo Bari Hostel. Under the nurturing shelter of the Vishwa Hindu Parishad, his ideals deepened further. He pursued his Master's degree from Diphu and with increasing knowledge came a stronger sense of purpose. Today, he serves as the Headmaster of Vivekananda Vidyalaya - an educator, mentor and bearer of cultural legacy. Each of his successes echoes the guidance of the Vishwa Hindu Parishad, which gave him space to grow and strength to rise. The organization has shaped Amio's life with devotion and defined it through discipline. He is an empowered youth - not restrained, but rooted and yet free.



गोपाल नवजीवन केन्द्र संचालित, स्व. अशोकभाई शाह अध्ययन कक्ष, केशवनगर, वडगांव मावल (प. महाराष्ट्र)

सचिन कैलास भालेराव, पद - पुलिस उप निरीक्षक, नियुक्ति - नागपुर, ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले और अधिकारी बनने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों के लिए, माननीय दिलीपभाई शाह (निवासी तळेगांव दाभाडे) ने वडगांव मावल में श्री गोपालराव देशपांडे वसतिगृह

में यह अध्ययन कक्ष शुरू किया है जोकि प्रतियोगी विद्यार्थी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला एक उत्कृष्ट अध्ययन केंद्र है।

इस केन्द्र पर सचिन को शान्त और उपयुक्त अध्ययन स्थल, गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें, समेत सभी सुविधाएं सुलभता से अपने घर के पास में ही प्राप्त हुई, जिससे उनके समय की बचत हुई और उनका चयन पुलिस उप निरीक्षक पद पर हुआ। इनके साथ ही साथ यहाँ अध्ययन करने वाले अनेक अन्य युवा विद्यार्थियों का भी चयन विभिन्न शासकीय विभागों में उच्च पदों पर हुआ है।

Gopal Navjeevan Kendra Operated by Late Ashokbhai Shah Study Room Keshavnagar, Vadgaon Maval (W. Maharashtra), **Sachin Kailas Bhalerao** Position - Police Sub-Inspector; Posting - Nagpur.

For students coming from rural areas who aspire of becoming government officers, respected Shri Dilipbhai Shah (resident of Talegaon Dabhade) started this study center at Shri Gopalrao Deshpande Hostel in Vadgaon Maval. This study center fulfills all the essential needs of competitive exam aspirants and serves as an excellent study facility.

This center, Sachin had access to a quiet and suitable study environment, high-quality books and all necessary amenities right near his home. This saved him time and contributed to his selection for the post of Police Sub-Inspector. Along with him, many other young students studying at this center have also been selected for high-ranking positions in various government departments.

क्रीड़ा विकास Sports Development

नाशिक जिले की तहसील पेट एक दुर्गम और पिछड़ा जनजातीय क्षेत्र है।

इस क्षेत्र में कोहोर नामक एक बहुत ही छोटा ग्राम है। वास्तव में, इसे 'ग्राम' कहना भी उचित नहीं होगा, क्योंकि यह एक छोटी-सी बस्ती है, जिसे मराठी में 'पाड़ा' कहा जाता है। इसी कोहोर बस्ती में जन्मी और पली-बढ़ी कुमारी सुजाता कालिदास वाघेरे पाँचवीं कक्षा से हरसूल (त्र्यंबकेश्वर) स्थित विश्व हिन्दू परिषद द्वारा संचालित कन्या छात्रावास में पढ़ रही थी। उसके स्वाभाविक गुणों को देखते हुए छात्रावास द्वारा सुजाता को साइक्लिंग में प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। इसी संदर्भ में सुजाता को रेसिंग साइकिल और आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। **सुजाता** ने अपने कठोर परिश्रम और छात्रावास तथा परिषद के कार्यकर्ताओं के योगदान को सार्थक सिद्ध करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उनकी उपलब्धियाँ निम्नवत हैं – 20वीं राष्ट्रीय माउटेन बाइक चैंपियनशिप (28 से 31 मार्च 2024); स्वर्ण पदक; क्रॉस कंट्री ओलंपिक-2 लैप रजत पदक; इसके अतिरिक्त सुजाता ने कई अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेकर छात्रावास, परिषद और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है: 73वीं सीनियर नेशनल ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप (24-28 दिसंबर 2021) – राज.; 27वीं नेशनल रोड साइक्लिंग चैंपियनशिप (2022-2023); 28वीं नेशनल रोड साइक्लिंग चैंपियनशिप (9-12 जनवरी 2024) – कर्नाटक; 38वीं नेशनल गेम्स – 12 फरवरी 2025 – उत्तराखंड।



The Peth tehsil in Nashik district is a remote and underdeveloped tribal area. Within this region lies a very small village named Kohor. In fact, calling it a “village” might be an overstatement—it is more like a tiny hamlet, referred to in Marathi as a 'pada'. Kumari Sujata Kalidas Waghere, born and raised in this small settlement of Kohor, has been studying since class five at the girls' hostel run by the Vishva Hindu Parishad, located in Harsul (Trimbakeshwar). Recognizing her natural abilities, the hostel decided to provide her with training in cycling. Accordingly, Sujata was provided with a racing cycle and the necessary coaching. Through her hard work and with the support and efforts of the hostel and Parishad workers, **Sujata** has achieved notable success. Her accomplishments are as follows: 20th National Mountain Bike Championship (28–31 March 2024) Gold Medal; Cross Country Olympic (XCO) – 2 Laps, Silver Medal; In addition to these, Sujata has represented the hostel, the Parishad and the nation in several other competitions: 73rd Senior National Track Cycling Championship (24–28 December 2021) – Rajasthan; 27th National Road Cycling Championship (2022–2023); 28th National Road Cycling Championship (9–12 January 2024) – Karnataka; 38th National Games – 12 February 2025 – Uttarakhand;

अध्ययन केन्द्र से शासकीय सेवा तक From Study Centre to Government Service

गोपाल नवजीवन केन्द्र संचालित,

स्व. अशोकभाई शाह अध्ययनिका केशवनगर, वडगांव, मावल। **दीपाली चन्द्रकान्त चव्हाण**, वडगांव मावल, पुणे; शैक्षणिक योग्यता - एम.एससी. (कृषि); कृषि विस्तार अधिकारी; नियुक्ति स्थान - पंचायत समिति, पालघर। दीपाली जी ने अध्ययनिका में पूर्णतः एकाग्रचित्त एवं अनुशासित होकर अध्ययन किया। उनको पुस्तकालय में अध्ययन के लिए सभी आवश्यक संसाधन जैसे सन्दर्भ पुस्तकें आदि सुलभता से उपलब्ध हुए। अध्ययनिका के शान्त वातावरण, और सहयोगी कर्मचारियों ने उपयोगी सामग्री तक पहुँचने में उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने वहाँ घंटों परिश्रम किया और अपेक्षा से अधिक सीखा और जब वे वहाँ से निकली तो उन्हें आत्मसन्तोष और शान्ति का अनुभव हुआ। वे अपने शासकीय सेवा में चयन का सम्पूर्ण श्रेय अध्ययनिका को देती हैं।



Gopal Navjivan Kendra Managed, Late Ashokbhai Shah Study Center Keshavnagar, Vadgaon Maval, **Dipali Chandrakant Chavan**, Vadgaon Maval, Pune; Qualification - M.Sc. (Agriculture); Designation - Agricultural Extension Officer; Placement - Panchayat Samiti, Palghar; Dipali ji studied at the study center with complete focus and discipline. She had easy access to all necessary study resources in the library, such as reference books and more. The peaceful environment of the study center and the supportive staff guided her in finding useful materials. She worked hard there for hours, learned more than expected, and left with a deep sense of satisfaction and peace. She gives full credit for her selection in government service to the study center.

गोपाल नवजीवन केन्द्र - संचालित

स्व. अशोकभाई शाह अध्ययन केन्द्र, केशवनगर, वडगांव, मावल पुणे नाम: **प्रशान्त मच्छिन्द्र गरुड**, पद: स्टेशन प्रबन्धक (मध्य रेलवे) नियुक्ति की तिथि: 19 फरवरी, 2018, वर्तमान कार्यस्थल: डीआरएम कार्यालय, पुणे



प्रशान्त गरुड, जो कि मावल तालुका के तळेगाव दाभाडे, जिला पुणे के निवासी हैं, ने अपनी एम.सी.एस. (मास्टर्स इन कंप्यूटर साइंस) की पढ़ाई पूरी करने के बाद 2011 में शासकीय सेवा में चयन हेतु आयोजित परीक्षाओं की तैयारी प्रारम्भ की। पूर्व में वे तळेगाव में ही अध्ययन करते थे, लेकिन स्थानीय वाचनालय बंद हो जाने के कारण उन्हें प्रतिदिन तळेगाव से पुणे यात्रा करनी पड़ती थी, जिससे उनके बहुमूल्य समय की बहुत हानि होती थी।

इसी दौरान उन्हें केशवनगर, वडगांव में स्थित गोपाल नवजीवन केन्द्र द्वारा संचालित स्व. अशोकभाई शाह अध्ययन केन्द्र के बारे में जानकारी मिली।

वे इस वाचनालय से जुड़े और पाया कि यहाँ पुस्तकों का अच्छा संग्रह है तथा अध्ययन के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण भी उपलब्ध है। इस केन्द्र की सहायता से वे रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की एनटीपीसी परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफल हुए और 2017 में स्टेशन प्रबन्धक पद के लिए चयनित हुए।

फरवरी 2018 में उन्होंने रेलवे सेवा में औपचारिक रूप से प्रवेश लिया। इस केन्द्र में अध्ययन करने वाले अनेकों अन्य छात्रों का भी शासकीय सेवाओं में चयन हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छात्रों के लिए यह अध्ययन केन्द्र सफलता का एक उत्कृष्ट मंच है।

Gopal Navjivan Kendra-managed Late Ashokbhai Shah Study Center, Keshavnagar, Vadgaon, Maval Name: **Prashant Machchhindra Garud**, Post: Station Manager (Central Railway), Date of appointment: 19 Feb., 2018, Current Job Location: DRM Office, Pune

Prashant Garud, a resident of Talegaon Dabhade, Maval, District Pune, completed his MCS (Master of Computer Science) and began preparing for competitive exams in 2011. Initially, he studied in Talegaon, but due to the closure of the local library, he had to travel daily from Talegaon to Pune for library access, which resulted in a significant waste of valuable time.

Around that time, he came to know about the Late Ashokbhai Shah Study Center, managed by Gopal Navjivan Kendra, located in Keshavnagar, Vadgaon.

He joined this library and found that it offered a wide variety of books and a highly conducive study environment. With the help of this facility, he was able to clear the Railway Recruitment Board NTPC examination and was selected for the post of Station Manager in 2017.

He officially joined the Railway service in February 2018.

Many other students who studied at this center have also secured government jobs. For students coming from rural areas, this study center provides an excellent platform for success.

चरक स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, उड़ीसा

Charak Swasthya Seva Project, Odisha

चरक स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, उड़ीसा एक स्वैच्छिक संगठन है जो विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग के अन्तर्गत कार्यरत है। यह संगठन पिछले 18 वर्षों से उड़ीसा के आदिवासी और वंचित लोगों को पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है।

उड़ीसा में इसकी 19 शाखाएँ हैं – गंजाम, गजपति, फुलबनी, बौध, कालाहांडी, नुआपाड़ा, सुंदरगढ़, देवगढ़, अंगुल, बालासोर, भद्रक, कटक, पुरी, जाजपुर, केन्द्रपाड़ा, मयूरभंज और क्योँझर में स्थित हैं।

यह प्रकल्प 2005 में उड़ीसा में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में माननीय अरविन्द चौथाईवाले एवं ओडिशा प्रान्त सेवा प्रमुख हरीश प्रधानजी के मार्गदर्शन में आरम्भ हुआ था।

यह एक चार-स्तरीय प्रणाली है।

प्रथम स्तर : स्वास्थ्य ग्राम – हिन्दू स्वास्थ्य कर्मी (पुरुष एवं महिला)

द्वितीय स्तर : स्वास्थ्यवार्ता – स्थानीय सरकारी अस्पताल, निजी चिकित्सक, स्थानीय नर्सिंग होम

तृतीय स्तर : स्वास्थ्य प्रान्त – जिला अस्पताल, निजी नर्सिंग होम, निजी मेडिकल कॉलेज, सरकारी मेडिकल कॉलेज

चतुर्थ स्तर : स्वास्थ्य प्रदेश – हिन्दू मेडिकल कॉलेज (एक भावी योजना)

प्रकल्प के उद्देश्य

दलित एवं आदिवासी समुदाय की माताओं, नवजात शिशुओं, बच्चों और वृद्धों जैसे अभावग्रस्त वर्गों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना, सभी आदिवासी रोगियों को बिना किसी भेदभाव के निःशुल्क या रियायती दर पर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है।

विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति जागरूकता प्रसारित करना, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूपंकचर, एक्यूप्रेशर और होम्योपैथी जैसी स्वदेशी एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं उत्पादन करना है।

अभावग्रस्तों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर उन मिशनरियों के धर्मांतरण प्रयासों को रोकना, जो स्वास्थ्य सेवा को बहाना बनाकर लोगों को अपने धर्म में लुभाते हैं।

चरक स्वास्थ्य सेवा सहायकों एवं सहायिकाओं को स्वास्थ्य शिक्षा एवं प्रशिक्षण देना। चरक स्वास्थ्य सेवा सहायकों एवं सहायिकाओं के पहले बैच को स्व. लक्ष्मणानन्द सरस्वतीजी द्वारा अपने गांवों में निःस्वार्थ सेवा करने और सत्संग केन्द्र चलाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें भगवानपुराण की प्रतियाँ भी दी गईं, जो पुरी के मठाधीश पू. शंकराचार्यजी द्वारा भेजी गई थीं।

अब तक लगभग 1237 चरक स्वास्थ्य सेवा सहायक एवं सहायिकाएं प्रशिक्षित हो चुकी हैं, जिनमें 812 बालिकाएं और 425 युवक शामिल हैं। इन्हें नगरीय झुगियों और जनजातीय गांवों में ले जाकर परिवारों की समस्याओं का सर्वेक्षण कराया गया।

प्रशिक्षण विषय

प्राथमिक चिकित्सा

मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मानसिक स्वास्थ्य जैसी सामान्य जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विषय में जागरूकता का प्रसार किया जाता है। गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की प्रारम्भिक पहचान। केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी जाती है।

पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अन्तर्गत गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं, नवजात शिशुओं, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, टीबी, कुछ रोग, एड्स, मलेरिया, फाइलेरिया और मोतियाबिन्द जैसी समस्याओं की पहचान तथा शौचालय निर्माण में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत सरकारी सहायता, स्वच्छता के लाभ और सामुदायिक भागीदारी से पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के विषय में जागरूकता का प्रयास किया जाता है।





Charak Swasthya Seva Project, Odisha Charak Swasthya Seva Project, Odisha, is a voluntary organization working under the umbrella of Vishwa Hindu Parishad, Seva Vibhag. It has been providing complete health care services to tribal and underprivileged populations in Odisha for the last 18 years.

Presence Across Odisha The organization has 19 active branches located in : Ganjam, Gajapati, Phulbani, Baud, Kalahandi, Nuapada, Sundargarh, Deogarh, Anugul, Balasore, Bhadrak, Cuttack, Puri, Jajpur, Kendrapada, Mayurbhanj, Keonjhar

The project began in 2005 as a pilot initiative under the guidance of Mananiya Arabind. Chouthawalaji and Odisha Prant Seva Pramukh Harish Pradhanji.

Four-Tier Healthcare System, The organization operates a structured four-tier healthcare system:

First Tier : Swasthya Grama (SG) : Hindu Swasthya Karmi (Male & Female)

Second Tier : Swasthyabarta (SB) : Local Government Hospitals, Private Practitioners, Local Nursing Homes

Third Tier : Swasthya Pranta, District Hospitals, Private Nursing Homes, Private and Government Medical Colleges

Fourth Tier : Swasthya Pradesh, Hindu Medical College (A dream project in progress)

Objectives of the Project

To provide health services to mothers, newborns, children and the elderly from Dalit and tribal communities.

- To offer free or subsidized healthcare to tribal patients regardless of religion.
- To spread awareness about national health programmes.
- To promote research, production, and usage of indigenous and alternative medicines like :
 - Ayurveda, - Naturopathy, - Acupuncture, - Acupressure, - Homeopathy
- To prevent religious colth education and training to

Charak Swasthya Seva Sahayaks and Sahayikas.nversion by missionaries offering healthcare with ulterior motives by fulfilling these needs with integrity and cultural grounding.

- To provide hea

Training and Outreach Activities

- The first batch of Seva Sahayaks and Sahayikas were inspired by Swargiya Laxmanananda Saraswatiji to serve in their villages and run Satsang Kendras. Bhagavat Purans were distributed to them, sent by Mathadhish Shankaracharyaji of Puri.
- Till date, around 1,237 Swasthya Seva Sahayaks and Sahayikas have been trained : 812 Girls; 425 Boys

They were taken to urban slums and tribal villages for :

- Surveys and problem detection in families
- Practical training on:
- First aid measures
- Common lifestyle diseases (diabetes, hypertension, mental health)
- Early detection of cervical and breast cancer

Extensive training on:

- Government health programmes (central & state)
- How to access and benefit from them

Family health surveys covering:

- Pregnant and lactating women
- Infants and children under five
- Cases of TB, leprosy, AIDS, malaria, filaria, cataracts

Awareness campaigns on:

- Government support for toilet construction
- Importance of hygiene and cleanliness (Swachhata)
- Community participation for environmental health

वनवासी कल्याण केन्द्र Talasari Centre

मुम्बई-अहमदाबाद महामार्ग, तलासरी, पालघर महाराष्ट्र

तलासरी छात्रावास प्रकल्प विश्व हिन्दू परिषद द्वारा संचालित देश का प्रथम सेवा प्रकल्प है। 1964 में परिषद की स्थापना के बाद सबसे अधिक धर्मांतरण वाले क्षेत्र का चयन कर तलासरी में छात्रावास प्रकल्प का प्रारम्भ 1967 में श्री माधवराव काणे जी के प्रयास से किया गया। शिक्षा और आरोग्यता के क्षेत्र में अनेकों सेवा कार्य मिशनरियों और कम्युनिस्टों के गहरे प्रभाव वाले इस क्षेत्र में प्रारम्भ हुए। स्थानीय समाज के विरोध, आर्थिक एवं अन्य समस्याओं का सामना करते हुए कार्यकर्ताओं की अविचल निष्ठा के कारण प्रकल्प सुदृढ़ हुआ।



The Talasari Hostel Project is the first service project initiated by the Vishva Hindu Parishad in the country. After the establishment of the Parishad in 1964, Talasari—a region deeply affected by religious conversions—was selected and the hostel project was started through the efforts of Shri Madhavrao Kane. Several service initiatives in the fields of education and healthcare began in this area, which had strong influence from missionaries and communists. Despite local opposition, financial challenges and other difficulties, the unwavering dedication of the volunteers led the project to grow stronger.

वर्तमान स्थिति : आज यह प्रकल्प 10 एकड़ क्षेत्र में विस्तारित हो चुका है। छात्रावास में 120 बालक और 54 बालिकाएं निवास कर रहे हैं। विद्यालय परिसर में ही 650 विद्यार्थियों और 140 बच्चों की एक आँगनवाड़ी संचालित हो रही है। आसपास के वनवासी पाड़ों और गाँवों में 11 स्थानों पर साप्ताहिक सत्संग संचालित हैं। घर वापसी, रामोत्सव, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, सामूहिक विवाह जैसे कई धार्मिक कार्यक्रम वर्ष पर्यंत गतिशील रहते हैं।

अन्य कार्य : प्रकल्प के माध्यम से कई सरकारी योजनाएँ जनपद स्तर पर चलाई गईं, जैसे 450 महिला स्वयं सहायता गट, कौशल विकास कार्यक्रम, पालनाघर, गर्भवती महिलाएँ और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्य एवं पोलियो, टीबी और एड्स के विषय में जागरूकता अभियान। वर्तमान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मन्त्रालय के अन्तर्गत जैविक खेती और भू-संसाधन प्रबन्ध के क्षेत्र में 3 वर्षीय प्रकल्प के अन्तर्गत 17 ग्रामों में कृषकों के मध्य कार्य चल रहा है।

उपलब्धियाँ : 68 वर्षों की तपस्या के कारण तलासरी क्षेत्र में नक्सलवाद पांव नहीं पसार सका, जबकि यह साम्यवादी विचारधारा के प्रभाव वाला क्षेत्र था। ईसाई धर्मांतरण से सम्बन्धित गतिविधियाँ नगण्य हो चुकी हैं। राजनीतिक वातावरण राष्ट्रवादी हो गया है।



Current Status : Today, the project spans over 10 acres of land. The hostel currently houses 120 boys and 54 girls. Within the school campus, a school for 650 students and an Anganwadi (nursery) for 140 children are operational. Weekly satsangs (spiritual gatherings) are held at 11 nearby tribal hamlets and villages. Religious programs like Ghar Wapsi (homecoming), Ramotsav, Shri Krishna Janmashtami and mass marriages are conducted actively throughout the year.

Other Initiatives : Several government schemes have been implemented at the district level through the project, such as 450 women self-help groups, skill development initiatives, childcare centers, maternal and infant health services, and awareness programs on polio, TB and AIDS. Currently, under a 3-year project supported by the Ministry of Science and Technology, work is ongoing with farmers in 17 villages in the areas of organic farming and land resource management.

Achievements : Due to 68 years of dedicated service, Naxalism has not been able to spread in the Talasari region, even though it was once under the influence of communist ideology.

प्रकल्प के अनेक छात्र संसदीय लोकतन्त्र की प्रक्रिया से सांसद, मन्त्री और विधायक बनकर समाज की सेवा में संलग्न हैं। 150 से अधिक विद्यार्थी योग्य शिक्षक एवं 750 से अधिक विद्यार्थी, बैंक सहित अनेकों शासकीय क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं। अनेक विद्यार्थी कुशल चिकित्सक एवं अभियन्ता के रूप में कार्यरत हैं।

संस्कार और सांस्कृतिक संरक्षण : छात्रावास के माध्यम से संस्कारयुक्त जीवनचर्या का निर्माण करते हुए वनवासी समाज की संस्कृति को आधुनिक भौतिकवाद से बचाकर हिन्दू जीवन मूल्यों को स्थापित करने का कार्य निरन्तर संचालित है।

एक प्रेरणादायक उदाहरण : राजेश धोड़ी ने प्रकल्प से 12वीं पास की, वे पहले डेयरी में कम्प्यूटर ऑपरेटर थे। प्रकल्प की सम्पूर्ण व्यवस्था देखकर (प्रभावित होकर) उन्होंने भी स्वरोजगार करने का निश्चय किया। आज वह तलासरी गाँव में 35 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार दे चुके हैं, उनकी डेयरी में उत्पादित दुग्ध उत्पाद मुम्बई तक बिक्री हेतु जाते हैं। 20 महिलाओं को भी उनके माध्यम से दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में स्वरोजगार प्राप्त हुआ है।

Christian conversion activities have significantly diminished. The political environment has become nationalist. Several students of the project have gone on to become Members of Parliament, ministers, and legislators, serving society through democratic means. More than 150 students have become qualified teachers, and over 750 have obtained employment in government services, including banking. Many have become skilled doctors and engineers.

Cultural and Value Preservation: Through the hostel, value-based living is cultivated while preserving the indigenous tribal culture from modern materialism and promoting Hindu life values continuously.

An Inspirational Example: Rajesh Dhodi – a 12th-grade passed from the project. Initially worked as a computer operator in a dairy. Inspired by the project's functioning, he decided to start his own venture. Today, he provides direct employment to 35 individuals in the village of Talasari. His dairy produces to sell 35 different milk products, which reach Mumbai. Additionally, 20 women have gained self-employment opportunities in milk production through his initiative.

पितांबरी उत्पादों के साथ, पवित्र होगा हर पूजन !

देवभक्ती सप्तर्षी - अत्री
7 in 1 अगरबत्ती

पितांबरी शायनिंग पाउडर

दीपशक्ती
दिये का तेल

घी दिया- न गिरने वाली बाती
मोगरा / केवड़ा
के सुगंध से युक्त

रूपेरी
इंस्टंट कॉन्टैक्ट
सिल्वर शाईन

Pitambari Products Pvt. Ltd.: Delhi - 7011012599, CRM: 022 - 6703 5564 / 5699,
Toll Free: 18001031299 | Visit: www.pitambari.com | CIN: U52291MH1989PTC051314

Scan
To Shop

महर्षि वाल्मीकि सेवा संस्थान Naugarh Centre

नौगढ़, देवखत, चन्दौली, उत्तर प्रदेश

नक्सल प्रभावित नौगढ़ (वाराणसी से लगभग 80 कि.मी.) क्षेत्र में वर्ष 1995 में संस्थान की स्थापना की गई थी।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक जागरण : गाँव-गाँव में रामकथा, श्रीमद्भागवत कथा, सत्संग एवं हिन्दू त्योहारों के माध्यम से क्षेत्र में सांस्कृतिक चेतना का जागरण एवं प्रसार किया जा रहज़ है। संस्थान परिसर में पंचदेव मन्दिर की स्थापना, जहाँ नियमित रूप से हिन्दू विवाह संस्कार, सहभोज एवं सम्पन्न होते हैं, जिसके कारण सामाजिक कारण समरसता व्यवहार में दिखायी देती है।

धर्मांतरण पर रोकथाम : संस्थान के द्वारा निरन्तर जनजागरण अभियान के फलस्वरूप हिन्दुओं का इसाइयत में हो रहा धर्मान्तरण पूर्णतः बन्द हुआ है जोकि इस क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

स्वास्थ्य सेवा विस्तार : आसपास के कई गाँवों में स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन नियमित रूप से होता है, जिससे हजारों ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं एवं संस्थान के प्रयासों से कुपोषण उन्मूलन में सफलता प्राप्त हो रही है।

शिक्षा, संस्कार एवं स्वावलम्बन : अनेक गाँवों में संस्कारशालाओं के माध्यम से बच्चों में नैतिक शिक्षा का प्रसार किया जा रहा है। सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार आरम्भ करने एवं उन्हें स्वावलम्बी बनाने हेतु भी प्रयास हो रहे हैं।

व्यक्तित्व निर्माण : संस्थान द्वारा शिक्षित अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न सरकारी विभागों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। कई विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर बने हैं एवं संघ, विहिप में पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में भी समाजसेवा हेतु प्रतिबद्ध हैं।

The institution was established in 1995 in the **Naxal-affected region of Naugarh (approx. 80 km from Varanasi).**

Religious and Cultural Awakening : Through Ram Kathas, Shrimad Bhagavat discourses, satsangs and Hindu festivals conducted in villages, cultural awareness and awakening are being spread throughout the region. A Panchadev temple has been established within the institution's premises, where Hindu wedding ceremonies, community feasts, and other events are regularly held, showcasing social harmony at the grassroots level.

Prevention of Religious Conversion : Due to continuous public awareness campaigns by the institution, the conversion of Hindus to Christianity has been completely stopped—an achievement of Important significance in this region.

Expansion of Health Services : Regular health services are being provided in several surrounding villages, benefiting thousands of villagers. The efforts of the institution have also helped in alleviating malnutrition.

Education, Values and Self-Reliance : Moral education is being imparted to children in many villages through Sanskarshalas (value-based schools). Efforts are also being made to train women in tailoring and embroidery, enabling them to start self-employment ventures and become self-reliant.

Personality Development : Many students educated by the institution are now serving in high positions in various government departments. Several have become doctors, engineers and full-time workers with the Sangh (RSS) and VHP, committed to social service.



आश्रम द्वारा जीवन निर्माण कारुण्यश्री सेवा समिति, भाग्य नगर, तेलंगाना

Building Life through the Aashram Karunasri Seva Samithi, Bhagya Nagar, Telangana

गर्व का क्षण – हमारा छात्र उच्च अध्ययन हेतु लन्दन पहुँचा : ची.जी. वम्शी, जो कि बीटेक पास कर चुके हैं, लन्दन की बीपी पी यूनिवर्सिटी में एम.एस. के लिए गए हैं। एक निराश्रित विद्यार्थी के लिए यह दुर्लभ है कि लिखित परीक्षा पास कर पासपोर्ट-वीजा प्राप्त कर लन्दन उच्च शिक्षा के लिए जाए। वह 15 वर्षों से कारुण्य सिन्धु आश्रम में निवास कर रहे थे। यह एक निराश्रित छात्र एवं करुणाश्री सेवा समिति के लिए विशेष उपलब्धि है और आश्रम के अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है। वह 13 फरवरी, 2025 को लन्दन रवाना हुए।



A Proud Moment -our student went for higher studies to London : It is a happy news to share that our **Chi G. Vamshi**, who has passed B. Tech, has joined BPP University, London to do his MS. This is a rare case of an orphanage student venturing for MS studies abroad after qualifying in the written tests, getting a passport and Visa, etc., to London. Chi G. Vamshi stayed with our Karunya Sindhu Ashram for more than 15 years. This is good news and encouragement to other students of our Ashrams and a matter of pride for Karunasri Seva Samithi (Karunya Sindhu Ashram). Vamshi left for London on Feb. 13, 2025.

अग्निवीर चयन : ची. गोला शिवकुमार, कारुण्य भारती आश्रम के छात्र, भारतीय नौसेना में अग्निवीर के रूप में चयनित हुए। गुरुकुल सर्वेल (नलगोंडा) से इंटरमीडिएट करने के बाद वह बीएससी कर रहे थे साथ ही सेना में जाने की तैयारी करना चाहते थे। उनकी तैयारी के लिए आश्रम ने आवश्यक कोचिंग व सहयोग प्रदान किया। वे अब विशाखापट्टनम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।



Agni Veer : Chi Golla Shivakumar of our Karunya Bharathi Ashram got selected as AGNIVEER in the written test and interview conducted by the Ministry of Defence, Government of India. He joined our Ashram after passing his Inter from Gurukul Sarvel in Nalgonda District of Telangana, and he was doing B.Sc. From the day he joined, he wanted to try for jobs to join in the Army, and necessary support and coaching were arranged for him for the Agni veer Exam preparation by our Ashram. He is allotted to the Indian Navy side and is getting training at Visakhapatnam.

हमारा छात्र विनय विप्रो में चयनित हुआ : ची. बी. विनय कुमार, एमसीए (अन्तिम वर्ष)

छात्र, कारुण्य सिन्धु आश्रम – विप्रो लिमिटेड, भाग्यनगर में एसोसिएट ग्रेड ए पद पर अप्रैल 2025 में नियुक्त हुए। वे पिछले 9 वर्षों से करुणाश्री सेवा समिति के साथ हैं। इसके अतिरिक्त खुशी है कि एक पूर्व छात्र **ची. बालकृष्ण** भी वर्तमान में विप्रो में उच्च पद पर कार्यरत हैं और उन्हें 9 लाख रुपये प्रतिवर्ष वेतन प्राप्त हो रहा है।



Our student Vinay was selected for WIPRO : Chi B. Vinay Kumar, who is doing MCA (Final year) of Karunya Sindhu Ashram, got selected by M/s. Wipro Ltd, Bhagyanagar as Associate Grade A, and he joined the service in April 2025. He has been with Karunasri Seva Samithi for the last 9 years. Further, we are happy to also say that one of our ex-Ashram student, **Chi Balakrishna**, is presently with Wipro at an Annual salary of Rs. 9 lacs.



अखिल भारतीय सेवाव्रती कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग, वड़तालधाम, गुजरात

विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग के पूर्ण कालीन कार्यकर्ता विशेषतः देशभर में संचालित छात्रावासों के प्रमुख भगिनि बन्धुगण, जिन्हें सेवाव्रती कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है, इनका एक चार दिवसीय अभ्यास वर्ग गुजरात के वड़तालधाम में दिनांक 26 से 29 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें 135 कार्यकर्ता भगिनि, बन्धुगण ने सहभाग किया। इस अभ्यास वर्ग में केन्द्रीय महामन्त्री माननीय बजरंगलाल जी बागड़ा, केन्द्रीय सह संगठन महामन्त्री माननीय विनायक राव जी देशपाण्डे तथा वड़तालधाम के पूज्य सन्तगण द्वय सर्वश्री कोठारी स्वामी जी एवं सह कोठारी स्वामी जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।



अखिल भारतीय संस्कारशाला प्रशिक्षक वर्ग, दिल्ली

संस्कारशाला के प्राथमिक प्रशिक्षण वर्ग में प्रशिक्षण देने के लिए बहुभाषा भाषिक प्रशिक्षकों के निर्माण के उद्देश्य से एक तीन दिवसीय वर्ग का आयोजन दिल्ली स्थित संकटमोचन आश्रम में दिनांक 14 से 16 फरवरी, 2025 को किया गया जिसमें 7 भाषाओं (हिन्दी, गुजराती, उड़िया, असमिया, बांग्ला, तेलुगु एवं तमिल) के 41 प्रशिक्षकों (31 भगिनि + 10 बन्धु) ने भाग लिया। वर्ग में केन्द्रीय महामन्त्री माननीय बजरंगलाल जी बागड़ा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।



अखिल भारतीय न्यासीगण एवं समिति पदाधिकारी - संगम, मुम्बई

विश्व हिन्दू परिषद के अन्तर्गत विभिन्न प्रान्तों में सेवा कार्यों के संचालन के लिए कार्यरत विभिन्न सेवा न्यासों के पदाधिकारियों का एकत्रित कार्यक्रम दिनांक 22-23 फरवरी, 2025 को उत्तन, भयन्दर, मुम्बई स्थित केशव सृष्टि के रामभाउ म्हालगी प्रबोधिनी के परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें सम्पूर्ण देश के 75 सेवा न्यासों के पदाधिकारीगण, सेवा समितियों के सदस्यगण तथा प्रमुख सेवा कार्यकर्ताओं सहित 134 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस आयोजन में मार्गदर्शन के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सेवा प्रमुख माननीय परागजी अभ्यंकर, राष्ट्रीय सेवा संवर्धन समिति के अध्यक्ष माननीय गंगराजजी, विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय महामन्त्री माननीय बजरंग लाल जी बागड़ा, केन्द्रीय संगठन महामन्त्री माननीय मिलिन्द जी पराण्डे तथा सेवा विभाग के केन्द्रीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।



स्वास्थ्य सेवा Health Services

रायपुर, छत्तीसगढ़ – सेवा विभाग द्वारा दिनांक 21 मार्च, 2025 शुक्रवार को “सत्यनारायण भवन” विश्व हिन्दू परिषद कार्यालय पंडरी रायपुर के परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें लाभार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से समस्याओं पर चर्चा की। शिविर में बीपी, ब्लड शुगर, नेत्र रोग, दंत रोग, हड्डी रोग, जनरल चेकअप किया गया तथा आवश्यकता अनुसार निःशुल्क दवाएं दी गई।

विश्व हिन्दू परिषद आयोजकों ने श्री बालाजी हॉस्पिटल में संचालित योजनाओं की विशेष सराहना की एवं चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की समस्त टोली का आभार व्यक्त किया।

As part of its service activities, the Seva Department of the **Sewa Vibhag of Raipur, Chattishgargh** organized a free health camp on Friday, March 21, 2025, from 12:00 PM to 4:00 PM at 'Satyanarayan Bhavan', located in the premises of the Vishva Hindu Parishad office, Pandri, Raipur. Hundreds of beneficiaries participated in the camp and received consultations on health-related issues from specialist doctors. The camp included testing and free treatment for health conditions such as blood pressure, blood sugar, eye diseases, dental problems, orthopedic issues, and more. The organizers appreciated the initiatives operated by Shri Balaji Hospital and expressed gratitude to all the doctors and healthcare workers who provided services during the camp.



One of the 10 most admired Diagnostics Center in India

मैनेजिंग डायरेक्टर

♦ डा० उमेश पालीवाल ♦ डा० मृदुला पालीवाल



27 साल से अधिक आपका विश्वसनीय

हेल्थ मित्र

NABL & ISO CERTIFIED LAB

24 घंटे लैब सेवा

24
उत्कृष्ट लैब्स

250+
कलेक्शन सेंटर

270 +
पिकअप पॉइंट्स

9.99 लाख
कुल पेशेंट प्रतिवर्ष
(2022-23) में

विश्वस्तरीय क्वालिटी

पैथोलॉजी व अन्य डायग्नोस्टिक्स सेवायें
किफायती दरों पर

पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि.

सुविधाएं

केन्द्रीय लैब:- 117/एच-1/02 पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर के सामने, कानपुर /05

फोन : 0512- 2335500, 2232962, 2235821, 9336843141

सभी जाँचें एक छत के नीचे

- | | | | | |
|----------------------|-----------------|---------------|---------------|-------------------|
| ♦ सी० टी० स्कैन | ♦ अल्ट्रासाउण्ड | ♦ कलर डाप्लर | ♦ पैथोलॉजी | ♦ टी० एम० टी० |
| ♦ ईको कार्डियोग्राफी | ♦ ओ० पी० जी० | ♦ पी० एफ० टी० | ♦ आडियोमेट्री | ♦ एक्सरे (डिजिटल) |
| ♦ ई० ई० जी० | ♦ आई एण्ड ईयर | | | |

लैब जैसी सुविधा अब घर पर भी



होम कलेक्शन/हेल्पलाईन नं.

सभी उम्र के लिये किफायती एवं विश्वसनीय हेल्थ पैकेज्स

9305028499, 7311130006, 9336843141

© customercare.pdpl@lalpathlabs.com www.paliwal diagnostics.in

स्वास्थ्य सेवा Health Services

संविधान रचयिता बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जी की 134वीं जन्म जयन्ती पर विश्व हिन्दू परिषद-सेवा विभाग द्वारा **कर्णावती क्षेत्र (सम्पूर्ण गुजरात)** के 46 जिलों में 576 चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया।

समाज में एकात्मता का भाव निर्माण करने हेतु समरसता यात्रा चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया।

जिसमें 86,000 से अधिक समाजबान्धवों की निःशुल्क चिकित्सीय जांच हुई एवं आवश्यक औषधि वितरित की गई।

इस कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के 2,700 से भी अधिक कार्यकर्ताओं ने सेवा समर्पित की।

इस पुनीत कार्य में 'स्वास्थ्य सेवा ही राष्ट्र सेवा' का सूत्र सार्थक करते हुए नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के 2640 चिकित्सकों एवं सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने भी अपनी सेवाएं समर्पित कीं। विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग विगत तीन वर्ष से डॉक्टर अम्बेडकर की जन्म जयन्ती पर चिकित्सा शिविरों का आयोजन करता आ रहा है।

वर्ष 2023 में कर्णावती (अहमदाबाद) महानगर में 101 शिविर आयोजित किए गए थे। वर्ष 2024 में गुजरात के अनेक जिलों में कुल 230 शिविरों का आयोजन किया गया था। इस वर्ष 2025 में कार्यकर्ताओं एवं चिकित्सक मित्रों के अथक परिश्रम से हमें 576 सेवा बस्तियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त हुई है।

इन चिकित्सा शिविरों में की गई जांच के माध्यम से अनेक रुग्णों को प्रथमतः ज्ञात हुआ कि उनको डायबिटीज और ब्लड प्रेशर है। पालनपुर जिले के वनवासी विस्तार के एक गांव में सभी लोग चर्म रोग से ग्रसित थे। सेवा विभाग चिकित्सकों के परामर्श से उन सभी रुग्णों की व्यक्तिगत जांच करके उनको चर्म रोग से मुक्त करने का अभियान संचालित है।

स्वामी विवेकानन्द जी कहते थे कि "यदि बालक पाठशाला तक नहीं पहुंच सकते तो पाठशाला को बालकों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए।" इसी उक्ति को सार्थक करते हुए व्यक्ति व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में हमारा यह विनम्र प्रयास है तथा आगे भी इसी प्रकार निरन्तर सेवा करते रहना हमारा लक्ष्य है।



On the 134th birth anniversary of the architect of the Constitution, Baba Saheb Dr. Bhimrao Ambedkar, 576 medical camps were organized by the Vishwa Hindu Parishad Service Department in 46 districts of **Karnavati Kshetra (Gujarat)**. In order to create a sense of unity in the society, 'Samrasta Yatra' medical camp was organized.

In which more than 86000 people were offered free medical check-up along with medicine distribution.

More than 2700 workers of Vishwa Hindu Parishad served in these camps.

In this noble cause, keeping the motto of 'Health Service is Service to the Nation' meaningful, 2640 doctors of National Medicos Organization and workers of Seva Bharati also dedicated their services.

The Vishwa Hindu Parishad Seva Vibhag has been organizing medical camps on the birth anniversary of Dr. Ambedkar for the last three years. In the year 2023, 101 medical camps were held in Karnavati Mahanagar (Ahmedabad city). In the year 2024, a total of 230 camps were organized in several districts of Gujarat. In this year 2025, due to the hard work of the workers and doctors, we have reached 576 service settlements.

During the medical camp, many patients came to know for the first time that they have diabetes and blood pressure. In an entire forest-dwelling village in the forest extension of Palanpur district, all the people were afflicted with skin disease. The service department, in consultation with the doctors, is engaged in a campaign to free all those afflicted with skin diseases by conducting personal check-ups.

Swami Vivekananda used to say that "if the child cannot reach school, then the school should try to reach the child." keeping in mind this motto we are continuously going on with these camps and reaching out to serve the marginalized and needy sections of the society.

स्वावलम्बन एवं स्वास्थ्य सेवा Self Reliance & Health Services

4 मई, 2025 रविवार को

दक्षिण गुजरात के डांग जिला के सिंघाना गांव में विश्व हिन्दू परिषद दक्षिण गुजरात प्रान्त सेवा विभाग प्रेरित एवं भारतीय सेवा ट्रस्ट संचालित वनवासी दुर्गा रूपी बहनों के लिए श्री राम सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारम्भ भारतीय परम्परा के अनुसार मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर ओंकार ध्वनि के साथ किया गया।

35 दुर्गा रूपी बहनों ने प्रवेश लिया है। यह सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र भारतीय जन सेवा संस्थान के सिंघाना गांव का है। यह सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र विद्यालय में आरम्भ हुआ। इस सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से दुर्गा रूपी वनवासी बहनें स्वावलम्बी बनें, इस हेतु से यह स्थाई कार्य प्रारम्भ किया गया है।



On Sunday, May 4, 2025, in **Singhana village of Dang district in South Gujarat**, the Vishva Hindu Parishad's South Gujarat Province Service Department, in collaboration with the Indian Seva Trust (Navasari), inaugurated a tailoring training program for women. The inauguration was done in accordance with Indian tradition by lighting the ceremonial lamp of Maa Bharati and chanting the sacred Omkar sound.

A total of 35 participating sisters enrolled in the training. This tailoring training center is part of the Bharatiya Jan Seva Sansthan in Singhana village. The center was started within a school. Through this tailoring training center, The trainees will become self-reliant, empowered and self-sufficient. This initiative was started with this purpose in mind.



उत्तर गुजरात प्रान्त सेवा विभाग

ने दिनांक 4 मई, 2025 को **पुष्य नक्षत्र** में बच्चों को सुवर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किये। कुल 12 जिलों में 80 स्थानों पर ये सुवर्ण प्राशन पिलाने के कार्यक्रम सम्पन्न हुए।



On the same day, Sunday, May 4, 2025, in the **Pushya Nakshatra**, the **North Gujarat Prant** Sewa Vibhag organized a Suvarna Prashan (Ayurvedic immunity booster) program for children. The program was conducted at 80 locations across 12 districts.

विविध सेवाएं Various Services



मालवा प्रान्त के नीमच जिले में स्वास्थ्य सेवा कार्य के रूप में शासकीय अस्पताल में प्रतिदिन विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के द्वारा दूध गर्म करने की सेवा की जाती है। व्यवस्था होने पर प्रत्येक रोगी को बिस्किट पैकेट भी दिया जाता है।

In Neemuch district of Malwa region, as part of a health service initiative, volunteers from the Vishva Hindu Parishad Service Department provide daily service of warming milk in the government hospital. Biscuit packets are also distributed to each patient.



कोंकण प्रान्त, गोरेगांव विभाग, ओशिवरा जिला मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण केन्द्र एवं कैंसर सहायता केन्द्र का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। उपस्थिति - 106 रही।

In Konkan region, Goregaon Department, Oshira district, the inauguration ceremony of the Mobile Repairing Training Center and Cancer Help Desk was successfully conducted. The attendance was 106.



भेंट एवं सामाजिक सेवा Visit & Social Services

25 मई 2025 को **मातृछाया, धवली, गोवा** में परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोडकर जी का शुभागमन हुआ।

Visit of Dr. Anil Kakodkar ji, Former Chairman Atomic Energy Commission at **Matruchhaya, Dhavli, Goa** on 25th May 2025.



विश्व हिन्दू परिषद, **बहुलारदा साधक केन्द्रम्, गुन्तकल, दक्षिण आन्ध्र प्रदेश** में स्थित बाल कल्याण आश्रम के बच्चे विगत एक वर्ष से मन्दिर के स्वच्छता कार्य में सेवा दे रहे हैं। प्रत्येक रविवार को ये बच्चे एक मन्दिर में परिसर और उसके आस-पास की स्वच्छता करते हैं।

इस कार्य में 15 बच्चे नियमित रूप से भाग ले रहे हैं तथा कुल 29 बच्चे अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अब तक कुल 14 मन्दिरों को इस अभियान के अन्तर्गत गोद लिया जा चुका है और पूरे समर्पण एवं उत्साह के साथ यह कार्य गतिशील है।

Vishva Hindu Parishad, **Bahularda Sadhak Kendram, Guntakal, Dakshin Andhra** Orphanage children participate in Temple cleaning karya since one year. Every Sunday children going to one temple for cleaning in side temple compound and surrounding temple 15 children participate in this karya.

Every Sunday this event will be performed. Total 29 children involving in this karya. Total 14 temples adopted continuously involving this SWACHATA KARYA.



विविध सेवाएं Various Services



विश्व हिन्दू परिषद दक्षिण आन्ध्र प्रदेश सेवा विभाग की एक नई पहल **तिरुपति विहिप जनपद सेवा टोली** द्वारा, श्रीमती मुनिलक्ष्मी जी (प्रान्त सेवा टोली सदस्य) के नेतृत्व में, ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन 24 से 30 मई, 2025 के मध्य किया गया।

इस शिविर के लिए अब तक 36 बच्चों का पंजीकरण हो चुका है। शिविर में बच्चों के लिए अबेकस कोचिंग, योग, भाषाई दक्षता, स्वच्छ भारत का भाव, आत्मरक्षा तथा राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

अब तक उक्त शिविर में 4 सेवा बस्तियों और 7 गांवों से सम्बन्धित 21 परिवारों के बच्चे सम्मिलित किए गए हैं।

विहिप दक्षिण आन्ध्रप्रदेश, सेवा विभाग **प्रोद्दतूर जनपद सेवा टोली** अपने सेवा कार्यों के क्रम में प्रत्येक रविवार को निःशुल्क औषधि वितरण का आयोजन भी कर रही है।

इन वितरण आयोजनों में एक विशेष रस्नादि कषायम तैयार कर रोगियों में वितरित किया जाता है।

रस्नादि कषायम एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कषाय है, जो शरीर में वात प्रकोप को संतुलित करता है।

यह जोड़ों के दर्द तथा अन्य तन्त्रिका - पेशीय विकारों से सम्बन्धित समस्याओं को कम करने में सहायक होता है।



Vishwa Hindu Parishad, South Andhra Pradesh, Seva Vibhag, As part of its ongoing service activities, the **Proddatur District Seva Team** is also organizing free medicine distribution every Sunday. In these distribution programs, a special Rasnadi Kashayam is prepared and distributed among the patients. Rasnadi Kashayam is a highly important decoction that helps balance Vata imbalance in the body. It is effective in alleviating joint pain and other issues related to neuromuscular disorders.



स्वास्थ्य सेवा Health Services

स्वास्थ्य सेवा से राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग भोपाल एवं नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन NMO के तत्वाधान में, राजा भोज एकल अभियान कल्याण समिति के सहयोग से **मध्यभारत प्रान्त के भोपाल महानगर** की विभिन्न 55 सेवा बस्तियों में दिनांक 8 जून 2025 को स्वास्थ्य सेवा एवं जागरूकता शिविर आयोजित किये गए। इन स्वास्थ्य शिविरों में 6273 लाभार्थियों को स्वास्थ्य जाँच का लाभ मिला। इन शिविरों में 105 चिकित्सकगण, 360 कार्यकर्ता एवं 55 आचार्या बहनों ने सहयोग प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि इन्हीं शिविरों में शासकीय सहयोग के द्वारा 600 लाभार्थियों ने आयुष्मान कार्ड एवं आशा कार्ड बनवाए। 400 से अधिक रुग्णों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जाँच की गई।



शुभकामनाओं सहित

प्रतीक भाई

सूरत



